NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 134 लखनऊ, मंगलवार 31 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

दिल्ली में चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे पीएम मोदी, एक हफ्ते में होगी दो रैली

दिल्ली बीजेपी सार्वजनिक बैठकों में भारी भीड़ उमड़ने की तैयारी कर रही है. पार्टी नेताओं ने कहा कि राज्य इकाई ने सभी मंडल अध्यक्षों से रोहिणी में बैठक के लिए लोगों की कम से कम दो बसें लाने को कहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी)राष्ट्रीय राजधानी में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले एक सप्ताह में दिल्ली में दो सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि रविवार को मोदी रिठाला में एक नई मेट्रो लाइन की आधारशिला रखेंगे और रोहिणी के जापानी पार्क में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि तीन जनवरी को वह भाजपा सांसद मनोज तिवारी के लोकसभा क्षेत्र पूर्वोत्तर दिल्ली में नई दिल्ली–सहारनपुर राजमार्ग के उद्घाटन सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधिकारिक कार्यक्रम के बाद एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे।दिल्ली बीजेपी सार्वजनिक बैठकों में भारी भीड़ उमड़ने की तैयारी कर रही है. पार्टी नेताओं ने कहा कि राज्य इकाई ने सभी मंडल अध्यक्षों से रोहिणी में बैठक के लिए लोगों की कम से कम दो बसें लाने को कहा है। उन्होंने कहा कि विशेष ध्यान नजफगढ़ और दक्षिणी दिल्ली क्षेत्रों पर है और पीएम की बैठक के साथ पार्टी मतदाताओं तक पहुंचेगी। रविवार के कार्यक्रम के लिए बीजेपी सांसद कमलाजीत सहरावत, योगेन्द्र चंदोलिया और रामवीर सिंह बिधूड़ी को प्रभारी बनाया गया है। बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री अगले शुक्रवार को अपनी सार्वजनिक बैठक के दौरान दिल्ली की महिलाओं के लिए श्मोदी की गारंटीश की घोषणा कर सकते हैं। उम्मीद है कि चुनाव आयोग जनवरी के दूसरे सप्ताह में दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा कर सकता है।

योगी ने अरुण जेटली की जयंती और कुशाभाऊ ठाकरे की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

भाजपा के दिग्गज नेता रहे अरुण जेटली का जन्म 28 दिसंबर, 1952 को हुआ था और लंबी बीमारी के बाद 24 अगस्त, 2019 को उनका निधन हो गया। जेटली वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री समेत अन्य कई अहम पदों पर रहे।

नई दिल्ली (एजेंसी)उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली की जयंती और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि "पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री, 'पद्म विभूषण' अरुण जेटली जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! आत्मनिर्भर भारत–सशक्त भारत के निर्माण में उनके योगदान अविस्मरणीय और प्रेरणादायक हैं।"ठाकरे का स्मरण करते हुए एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी ने कहा "कुशल संगठनकर्ता एवं असंख्य कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!"भाजपा के दिग्गज नेता रहे अरुण जेटली का जन्म 28 दिसंबर, 1952 को हुआ था और लंबी बीमारी के बाद 24 अगस्त, 2019 को उनका निधन हो गया। जेटली वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री समेत अन्य कई अहम पदों पर रहे।जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे का जन्म 15 अगस्त 1922 में मध्य प्रदेश के धार इलाके में हुआ था। 28 दिसंबर 2003 को उनका निधन हो गया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पंजाब बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब में एक बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर शुक्रवार को गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पंजाब के बठिंडा जिले में एक निजी बस पुल की रेलिंग से टकराकर नाले में गिर गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए।मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "पंजाब के बठिंडा में एक बस दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं सभी शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि इस दुर्घटना में घायल हुए सभी लोग शीघ्र स्वस्थ हों।

दिल्ली की अदालत ने हत्या के प्रयास के मामले के तीन आरोपियों को बरी किया

अदालत ने कहा, "जिरह के दौरान भी अभियोजन पक्ष के गवाह आरोपियों को इस मामले के अपराधियों के रूप में पहचानने में विफल रहे।..." उसने कहा कि शस्त्र अधिनियम के तहत आरोपों को स्थापित करने के लिए कोई सबूत नहीं है।

नई दिल्ली (एजेंसी)दिल्ली की एक अदालत ने 2018 के हत्या के प्रयास और आपराधिक धमकी के एक मामले में तीन आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ आरोप साबित करने में "बुरी तरह विफल" रहा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल पाहुजा ने इस मामले की सुनवाई की।इस मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत मालवीय नगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने 14 मई, 2018 को पीड़ित के घर के सामने हवा में गोलियां चलाईं और उसे धमकाया।अदालत ने 16 दिसंबर को जारी आदेश में कहा कि पीड़ित और शिकायतकर्ता (पीड़ित के रिश्तेदार) अभियोजन पक्ष के मामले के मुख्य गवाह थे लेकिन वे पने बयान से मुकर गए और उन्होंने आरोपियों को पहचानने से इनकार कर दिया।अदालत ने कहा, "जिरह के दौरान भी अभियोजन पक्ष के गवाह आरोपियों को इस मामले के अपराधियों के रूप में पहचानने में विफल रे।..." उसने कहा कि शस्त्र अधिनियम के तहत आरोपों को स्थापित करने के लिए कोई सबूत नहीं है।न्यायाधीश ने कहा, "इस अदालत का मानना घ्छै कि अभियोजन पक्ष कोई ठोस सबूत न होने के कारण अपना मामला साबित करने में बुरी तरह विफल रहा है इसलिए आरोपियों मनोज हथौड़ी, निखिल और राकेश उर्फ घ्छाका को उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से बरी किया जाता है।

30 दिसंबर को संदेशखाली जाएंगी ममता बनर्जी, विरोध प्रदर्शन के बाद होगा पहला दौरा

उत्तर 24 परगना जिले के 16 ग्राम पंचायत क्षेत्रों वाले संदेशखाली में इस साल 5 जनवरी को मनी लश्ड्रिंग मामले में शाहजहां शेख के घर पर छापा मारने गई प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद हफ्तों तक तनाव देखा गया था।

नई दिल्ली (एजेंसी)पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह 30 दिसंबर को संदेशखाली की यात्रा करेंगी, जो कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शाहजहां शेख से जुड़े भूमि कब्जाने और यौन उत्पीड़न के आरोपों से संबंधित विरोध प्रदर्शनों के बाद उत्तरी 24 परगना में द्वीप की उनकी पहली यात्रा होगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 30 दिसंबर को संदेशखाली जाऊंगी। लोकसभा चुनाव से पहले कई लोगों ने मुझसे पूछा था कि मैं संदेशखाली कब आऊंगी। मैंने उनसे कहा था कि मैं वहां जाऊंगी। उत्तर 24 परगना जिले के 16 ग्राम पंचायत क्षेत्रों वाले संदेशखाली में इस साल 5 जनवरी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शाहजहां शेख के घर पर छापा मारने गई प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद हफ्तों तक तनाव देखा गया था। स्थानीय महिलाओं के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उन पर और उनके सहयोगियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया और अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाहजहाँ को फरवरी में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया था।मई में बशीरहाट में एक चुनावी रैली के दौरान, बनर्जी ने चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद संदेशखली का दौरा करने का वादा किया था। उन्होंने बशीरहाट में रैली में कहा, ष्हाजी नुरुल इस्लाम (बशीरहाट से टीएमसी के उम्मीदवार) के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद, मैं लोगों से मिलने के लिए कुछ दिनों के भीतर संदेशखाली का दौरा करूंगी।ष संदेशखाली मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और टीएमसी के बीच आरोप–प्रत्यारोप के बीच, टीएमसी ने अभिनेता से सांसद बनीं बशीरहाट की मौजूदा सांसद नुसरत जहां को हटाकर अनुभवी राजनेता एसके नुरुल इस्लाम को अपना उम्मीदवार बनाया है।

मुंबई के घाटकोपर में टेंपो ने कई लोगों को कुचला, एक महिला की मौत

मुंबई (एजेंसी) महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के घाटकोपर इलाके में शुक्रवार को देर शाम एक टेंपो ने पांच–छह लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई है जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, टेंपो चालक ने अपने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था,

नीतीश सरकार ने बढ़ाई भूमि सर्वे की डेडलाइन

पटना । बिहार में जमीन का सर्वे करवा रहे लोगों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नये वर्ष के मौके पर बिहारवासियों को एक बड़ी सौगात दी है। जमीन मालिकों को अपनी जमीन की सर्वे करवाने के लिए विशेष सहूलियत देने की घोषणा की है। इधर, समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार जमीन सर्वे की प्रक्रिया जुलाई 2025 की जगह अब जुलाई 2026 में पूरी की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर जमीन मालिकों को परेशानी नहीं हो।

पहले जमीन का सर्वे करने के लिए अधिसूचना की तिथि से 30 कार्य दिवस दिए जाते थे, लेकिन अब संबंधित जिले में हुई उद्घोषणा की तिथि से 180 दिन के अंदर जमा कर सकते हैं। यह दिन कार्य दिवस या, किस्तवार के काम की समाप्ति से पहले भी पहले हो। किस्तवार का काम गांवों का मानचित्र बनाया है जिसके लिए पहले 30 दिनों का कार्य दिवस मिलता था जिसे बढाकर 90 कार्य दिवस कर दिया गया है। खानापूरी पर्चा वितरण के बाद दावा या आपत्ति देने का समय पहले 15 कार्य दिवस हुआ करता था, जिसे बढाकर अब इतना ही नहीं दावा या आपत्ति को पहले 30 दिन में पूरा कर लेना होता था, जिसे बढाकर अब 60 दिन कर दिया गया है।

राज्य के सभी 4.34 करोड़ जमाबंदियों में किसी भी तरह के बदलाव ध नामांतरण से संबन्धित सूचना ैडे अलर्ट सेवा के तहत दी जा रही है।

आम रैयतों को इस सेवा का लाभ उठाने के लिए सर्वप्रथम संबंधित जमाबंदी के प्लॉट पर बदलाव ध नामांतरण से संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए पंजीकृत करना होगा। वर्तमान में इस सेवा के तहत दाखिल–खारिज तथा परिमार्जन के माध्यम से किए गए बदलाव ध नामांतरण की प्रक्रिया प्रारम्भ होने तथा प्रक्रिया पूर्ण होने से संबंधित सूचना पंजीकृत रैयत को दी जाएगी। भविष्य में इस सेवा के तहत एलपीसी, लगान, राजस्व न्यायालय में दायर वाद से संबंधित सूचना भी दी जाएगी।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने बताया कि आम जनता के हित के लिए विभाग ने रोजगार सृजन करने के साथ–साथ कुछ महत्वपूर्ण कदम भी उठाए हैं।

वायनाड में कांग्रेस नेता और उनके बेटे की मौत मामले की जांच शुरू

विजयन वायनाड में कांग्रेस के एक प्रमुख नेता थे। 'सुल्तान बाथेरी कोऑपरेटिव बैंक' के पूर्व कर्मचारी जिजेश स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लंबे समय से बिस्तर पर थे।

नई दिल्ली (एजेंसी)पुलिस ने कांग्रेस के स्थानीय नेता एन एम विजयन और उनके बेटे की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने यह जानकारी दी। विजयन और उनके बेटे जिजेश ने कथित तौर पर जहर खा लिया था।मृतकों की पहचान वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के कोषाध्यक्ष और सुल्तान बाथेरी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष विजयन (78) और उनके बेटे जिजेश (38) के रूप में हुई है। दोनों की मौत कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई, जहां उनका इलाज किया जा रहा था।पुलिस ने बताया कि शनिवार को शवों का पोस्टमार्टम होगा जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता एवं उनके पुत्र का अंतिम संस्कार सुल्तान बाथेरी में उनके आवास पर शाम पांच बजे निर्धारित किया गया है।पुलिस ने बताया कि विजयन और जिजेश के पड़ोसियों ने मंगलवार को उन्हें उनके घर पर गंभीर हालत में पाया। उसने बताया कि दोनों ने कथित तौर पर जहर खाया था। उन्हें पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, जिजेश की शुक्रवार को शाम साढ़े छह बजे मौत हो गई और उसके बाद विजयन ने रात साढ़े नौ बजे दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि यह आत्महत्या का मामला है इसलिए उनके आवास की तलाशी ली गई, लेकिन कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला।विजयन वायनाड में कांग्रेस के एक प्रमुख नेता थे। 'सुल्तान बाथेरी कोऑपरेटिव बैंक' के पूर्व कर्मचारी जिजेश स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लंबे समय से बिस्तर पर थे। विजयन अपनी पत्नी सुमा की मौत के बाद से अपने बेटे जिजेश की देखभाल करते थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, विजयन के परिवार में उनका बड़ा बेटा विजेश है।

चिराग पासवान का बिहार पर अधिक फोकस, 2030 को लेकर जता दी अपनी बड़ी इच्छा

पासवान ने कहा कि वह बिहार की बेहतरी के लिए काम करने के उद्देश्य से राजनीति में आये हैं। ए क निजी समाचार चौनल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान

नई दिल्ली केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि वह आने वाले दिनों में बिहार पर अधिक ध यान केंद्रित करेंगे और सदन के सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए 2030 में विध ानसभा चुनाव भी लड़ेंगे। पासवान ने कहा कि वह बिहार की बेहतरी के लिए काम करने के उद्देश्य से राजनीति में आये हैं। एक निजी समाचार चौनल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यह मेरी योजनाओं का हिस्सा था कि मैंने 2020 के विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी के बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्टश के नारे पर जोर दिया।चिराग पासवान ने कहा कि मैं खुद को 2030 में बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में देखना चाहता हूं। मैं खुद को राज्य की राजनीति से अधिक परिचित देखता हूं। राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि पासवान ने 2025 का विध ानसभा चुनाव लड़ने से परहेज किया है क्योंकि एनडीए, जिसमें उनकी पार्टी एक भागीदार है, पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में, चिराग पासवान 2030 में राज्य की राजनीति में अपनी जगह तलाशेंगे।एक प्रश्न के उत्तर में, पासवान ने भविष्य में राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के साथ किसी भी तरह की संभावना से इनकार किया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं दबाव की राजनीति में विश्वास नहीं करता। जब एनडीए अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो संबंध तोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। पासवान ने कहा कि अगर चीजें उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ीं तो राज्य में 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए 225 सीटें जीतेगी।

कर्नाटक: हुब्बली में गैस सिलेंडर विस्फोट में झुलसे दो और श्रद्धालुओं की मौत

हुब्बली (एजेंसी)जिले में इस सप्ताह की शुरुआत में गैस सिलेंडर विस्फोट में झुलसे तो और श्रद्धालुओं की शुक्रवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही इस दुर्घटना में मरने वालों की कुल संख्या चार हो गई।हुब्बली के साईनगर की अच्छवाना कॉलोनी में सोमवार को एक कमरे में एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से भगवान अयप्पा के नौ भक्त बुरी तरह झुलस गए थे। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो लोगों ने बृहस्पतिवार सुबह दम तोड़ दिया, जिसके बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मृतकों के परिवारों को पांच–पांच लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "आज (शुक्रवार को) दो और घायलों की मौत हो गई। उनमें से एक ने सुबह दम तोड़ दिया जबकि दूसरे की शाम को मौत हो गई। अस्पताल में उपचाराधीन शेष पांच श्रद्धालुओं में से चार की हालत गंभीर बताई गई है।

सी.एम.एस. राजाजीपुरम द्वितीय कैम्पस द्वारा 'वार्षिक समारोह' का भव्य आयोजन

लखनऊ, 30 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम द्वितीय कैम्पस द्वारा सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित विद्यालय के 'वार्षिक समारोह' में अपने नाचते–गाते बच्चों की बहुमुखी एवं बाल सुलभ प्रतिभा को देख अभिभावक मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने अपने नन्हें–मुन्हों की खूब हौसलाअफजाई की और बच्चों ने भी बड़े उत्साह से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इससे पहले,

मुख्य अतिथि डा. अखिलेश कुमार निगम, आई.पी.एस., डी.आई.जी., सीबीसीआईडी, लखनऊ ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. निगम ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समारोह बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह समारोह सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं अपितु बड़ों के लिए भी प्रेरणादायी है ।समारोह का शुभारम्भ स्कूल प्रार्थना, सर्वधर्म प्रार्थना एवं विश्व एकता प्रार्थना की शानदार प्रस्तुति से हुआ, जिसने सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर कर दियाइसके अलावा, छात्रों द्वारा विश्व संसद की प्रभावशाली प्रस्तुति एवं छात्रों की माताओं द्वारा प्रस्तुत समूह गान को भी सभी ने खूब सराहा। ।सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समारोह छात्रों के दैनन्दिन जीवन में नया उल्लास जगाते हैं और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारते हैं। हमारा प्रयास है कि भावी पीढ़ी समाज के नव निर्माण हेतु सदैव तत्पर रहे। सी.एम.एस. राजाजीपुरम द्वितीय कैम्पस की हेडमिस्ट्रेस सुश्री ख्याति लांबा ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक बालक को अच्छा और स्मार्ट बनाने का विद्यालय का लक्ष्य अभिभावकों के सहयोग से ही पूरा हो सकता है। उन्होंने स्कूल की गतिविधियों में अभिभावकों के सहयोग हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जिला पुलिस बहराइच एवं अन्य सहायक एजेंसीयों के साथ समन्वय बैठक

बहराइच आज दिनांक 28.12.2024 अपराह्न को 59वीं वाहिनी स. सी. ब. नानपारा, में श्री कैलाश चंद रमोला, कमांडेंट 59वी वाहिनी की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक, जिला पुलिस बहराइच एवं अन्य सहायक एजेंसीयों के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया स बैठक में निम्न

बिन्दुओं पर चर्चा की गई अंतराष्ट्रीय सीमा सुरक्षा संबंधित चर्चा , कार्यक्षेत्र में संरक्षित वन इलाकों में प्रचालन गतिविधियों पर चर्चा , सभी सुरक्षा एजेंसीयों के मध्य सयुंक्त रूप से कार्यक्षेत्र की सुरक्षा एवं निगरानी पर चर्चा , सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाने संबधित चर्चा , अंतराष्ट्रीय सीमा एवं वन क्षेत्र में पुलिस चोकियों की स्थापना सम्बंधित चर्चा ,आगामी महाकुम्भ के मद्देनजर सुरक्षाध आसूचना संबंधी पहलुओं पर परिचर्चा बैठक के दौरान निम्न अधिकारीगण मौजूद रहे श्री कैलाश चंद रमोला, कमांडेंट, 59वीं वाहिनी, स. सी. ब.श्री शक्ति सिंह ठाकुर, द्वितीय कमान अधिकारी, 59वीं वाहिनी, स. सी. ब. श्री राज रंजन, कार्यवाहक कमांडेंट, द्वितीय कमान अधिकारी, 42वीं वाहिनी, स. सी. ब. श्री दिलीप कुमार, उप कमांडेंट, 42वीं वाहिनी, . श्री हिमांशु दुबे, उप कमांडेंट, 59वीं वाहिनी, श्री अच्छर सिंह, उप कमांडेंट, 59वीं वाहिनी, श्री राम नयन सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, जिला पुलिस बहराइचश्र दुर्गा प्रसाद तिवारी, उप अधीक्षक ग्रामीण, जिला पुलिस बहराइच श्री अजित प्रताप सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी, बहराइच श्री पी. के. सिंह, क्षेत्राधिकारी, नानपारा श्री दद्दन सिंह, थाना प्रभारी, पुलिस थाना रूपेडियाहश्री प्रदीप कुमार सिंह, थाना प्रभारी, पुलिस थाना नानपारा श्री देवांशित खरे, ।ब्प्, आई. बी., रूपेडियाहाश्री शिवम शुक्ला, फील्ड ऑफिसर, स्पेशल ब्यूरो, रूपेडियाह श्री राहुल, निरीक्षक, स्प्न, बहराइच श्री राम प्रसाद यादव, उप निरीक्षक,स्प्न, बहराइचश्री रंजीत कुमार, प्रभारी ATS शाखा, उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए चर्चा कार्यक्रम का आयोजन: संविधान बचाने और बाबा साहब के विचारों का प्रचार

लखनऊ((संवाददाता)) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर 26 दिसम्बर 2024 से 25 जनवरी 2025 तक प्रदेश भर में ष्पीडीए चर्चाष् का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान को बचाने और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन–जन तक पहुंचाना है। पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और फ्रंटल संगठनों के सदस्य इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।कार्यक्रम के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न सेक्टरों में पीडीए चर्चा आयोजित की जा रही है। इस दौरान सामाजिक न्याय, आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई, जातीय जनगणना और स्थानीय मुद्दों पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ता, पीडीए समाज के अधिकार और भागीदारी के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे हैं और समाज को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं।हरदोई में पूर्व विधायक स्व. विश्राम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर कटियारी डिग्री कॉलेज में एक विशाल श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर पीडीए पंचायत भी आयोजित की गई, जिसमें प्रमुख अतिथि सोशल एक्टिविस्ट प्रो. लक्ष्मण यादव और समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप ने सभा को संबोधित किया। डॉ. यादव ने कहा कि स्व. विश्राम सिंह यादव का योगदान पीडीए समाज के उत्थान में अनमोल था और उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना गौरव की बात है। उन्होंने वर्तमान सरकार की आलोचना करते हुए इसे शोषण और सांप्रदायिकता फैलाने वाला बताया।आगरा, फतेहपुर और अन्य जिलों में भी पीडीए पंचायत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विभिन्न समाजवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और सरकार की नीतियों पर चर्चा की। फतेहपुर सीकरी विधानसभा में पंचायत कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष चौधरी प्रदीप मुखिया ने की, जबकि आगरा में भी पंचायतों में लोगों को संविधान बचाने और सामाजिक मुद्दों पर जागरूक किया गया।कुशीनगर में रामकोला और खड्डा विधानसभा क्षेत्रों में पीडीए चर्चा की बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें जिलाध्यक्ष मोहम्मद शुकरुल्लाह अंसारी सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने अपने विचार रखे। कासगंज और अलीगढ़ में भी पीडीए कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।गोरखपुर, मऊ और अन्य क्षेत्रों में भी पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संविधान को बचाने, बेरोजगारी, महंगाई और अन्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की और लोगों को जागरूक किया।समाजवादी पार्टी के इस कार्यक्रम से यह संदेश दिया जा रहा है कि संविधान की रक्षा और बाबा साहब के विचारों के प्रसार के लिए पार्टी पूरी तरह से समर्पित है और समाज के हर वर्ग को एकजुट करने के लिए काम कर रही है।

समाज सेवी तिरंगा महाराज पर हमला

बीकेटी, लखनऊ ।बीकेटी तहसील के ग्राम पंचायत राजापुर सुल्तानपुर बहादुरपुर गांव के किसानों की गायब पट्टा पत्रावलियों के मुद्दे पर आवाज उठा रहे तिरंगा महाराज पर जानलेवा हमला होना उनका मोबाइल फोन छीनने और पुलिस द्वारा पीड़ित को गिरफ्तार कर जेल भेजना अपने आप में प्रशासन की विफलता को दर्शा रहा है गोमती नदी पर कब्जा किसानों की तहसील से गायब पत्रावली निलांश वाटर पार्क विवाद और तिरंगा महाराज की गिरफ्तारी ने प्रशासनिक निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 25 नवंबर को निलांश वाटर पार्क की पैमाइश के दौरान मलिहाबाद के लेखपाल तुषार द्वारा तिरंगा महाराज पर हमला करने मोबाइल फोन छीनने का आरोप है। चश्मदीदों के अनुसार, यह हमला अधिकारियों के आदेश पर सुनियोजित था। हैरानी की बात यह है कि एक महीना बीत जाने के बाद भी इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जिससे प्रशासन की नीयत पर शंका गहरा गई है। घटना के बाद तिरंगा महाराज ने न्याय की मांग करते हुए आंदोलन का रास्ता चुना। किसानों के आंदोलन को कुचलने के लिए पुलिस प्रशासन एक्टिव हो गया और उन्होंने पूरी ताकत से किसानों को धमका कर खदेड़ा किसानो ने आरोप लगाते हुए कहा तिरंगा महाराज जब वह 25 दिसंबर को धरने के लिए मलिहाबाद जा रहे थे, तब इटौंजा थाने के दरोगा धीरेंद्र राय ने उन्हें कथित तौर पर गाली–गलौज करते हुए गोमती नदी में धक्का दिया और जल समाधि देने की धमकी दी।

जिससे किसान क्रोधित हो गए और वही धरने पर बैठ कर प्रदर्शन करने लगे शाम को धरना स्थल पर पुलिस ने कई महिलाओं को धमका कर तिरंगा महाराज को जबरन गिरफ्तार कर लिया और अगले दिन आनन फानन में जेल भेज दिया किसानों और पुलिस की झड़प में कई बुजुर्ग महिला किसानों को चोट आई है तिरंगा महाराज 27 दिसंबर को न्यायालय से जमानत मिलने के बावजूद प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण वे 28 दिसंबर को रिहा हो सके। महाराज और उनके समर्थकों की तीन प्रमुख मांगें थींकृ गोमती नदी की जमीन पर अवैध कब्जा मुक्त किया जाए, 25 नवंबर को लेखपाल द्वारा किए गए हमले की एफआईआर और गायब किसानों की पत्रावलियों में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई। लेकिन प्रशासन ने इन मांगों पर ध्यान देने के बजाय तिरंगा महाराज को निशाना बनाया। , जिससे जनता में गहरी नाराजगी है।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर कड़ा हमला किया, लोकतंत्र और संविधान को खतरे में बताया

लखनऊ,((संवाददाता)) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है और लोगों के संविधान से प्राप्त वोट डालने के अधिकार को छीन रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव के दौरान भाजपा ने वोटों की लूट की और पुलिस प्रशासन को आगे करके वोट डालने से रोका। उन्होंने बताया कि देशभर ने देखा कि उपचुनाव में बहादुर महिलाओं ने गोली और बंदूक का मुकाबला करते हुए जान की परवाह किए बिना वोट डाले।

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में खंगार समाज के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान को लागू करवाने के लिए अच्छे लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की अहमियत को बताते हुए कहा कि यह संविधान गरीबों, किसानों, वंचितों और पीडीए को ताकत देता है, लेकिन भाजपा इसे कमजोर करने पर तुली है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा फेक न्यूज फैलाने वाली पार्टी है जो झूठा प्रचार करती है और विरोधियों पर झूठे मुकदमे लगाती है। भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है और तानाशाही के रास्ते पर चल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी गरीबों और किसानों के हित में काम नहीं किया और हमेशा अपने पूंजीपति मित्रों के लिए फैसले किए। इसके कारण देश की अर्थव्यवस्था तबाह हो गई है और महंगाई तथा बेरोजगारी अपने चरम पर हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने नोटबंदी को लेकर भाजपा को घेरते हुए कहा कि इससे गरीबों को कोई फायदा नहीं हुआ और कालाधन कहीं नहीं गया। साथ ही, भाजपा सरकार के फैसलों से नौजवानों के लिए रोजगार खत्म हो गए हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि महंगाई और भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं टूट चुकी हैं और भाजपा सरकार में सिर्फ बड़े उद्योगपतियों को काम मिलता है।अखिलेश यादव ने सवाल किया कि अगर भाजपा सरकार दावा करती है कि देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी तो सरकार को बताना चाहिए कि प्रतिव्यक्ति आय क्या है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर निर्भर हैं, सरकार को यह बताना चाहिए कि इन लोगों की आय क्या है।समाजवादी पार्टी के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि उनका लक्ष्य गरीबों, वंचितों और पीडीए को हर क्षेत्र में न्याय दिलाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीडीए समाज को सामाजिक न्याय मिलेगा और उन्हें उनका हक व सम्मान मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने जातीय जनगणना की भी मांग की ताकि वंचित वर्गों को उनका हक मिल सके और सभी को सामाजिक न्याय प्राप्त हो।

लेखपाल की लापरवाही पर मंडलायुक्त सख्त,आरोप पत्र जारी करने के निर्देश

लखनऊ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के अभियान के तहत मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने तहसील सदर के ग्राम सभा लोनापुर और लौलाई का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सरकारी भूमि पर बड़े पैमाने पर कब्जे की जानकारी सामने आई। लंबे समय से लखनऊ में तैनात लेखपाल दिलीप बाथम के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश मंडल आयुक्त ने दिए हैं। मौके पर फटकार भी लगाई है। ग्राम सभा लोनापुर में सरकारी गाटा संख्या 372, 373 और 377 पर प्रॉपर्टी डीलर अभिषेक मिश्रा द्वारा अवैध प्लाटिंग की गई थी। मामले की जांच में पता चला कि भूमि को कब्जा मुक्त कराने में राजस्व लेखपाल दिलीप बाथम ने लापरवाही और शिथिलता बरती। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने लेखपाल दिलीप बाथम के खिलाफ आरोप पत्र जारी करते हुए स्पष्ट कहा कि अगर उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं होता है, तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। अभिषेक मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश। माध्व ग्रीन सिटी कॉलोनी के प्रोपराइटर मथुरेश श्रीवास्तव पर एफआईआर दर्ज कराने का आदेश, जिन्होंने ग्राम सभा लौलाई की सरकारी भूमि गाटा संख्या 75ध्5, 62ध्7 और 69स पर अवैध प्लाटिंग की थी। रिजवान और राजेंद्र यादव के खिलाफ सरकारी गाटा संख्या 62 और 62ध्7 पर कब्जा करने के मामले में एफआईआर दर्ज कराने और भूमि को मुक्त कराने के निर्देश। मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हटाने को लेकर जिलेभर में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। भूमि पर किए गए अतिक्रमणों की पहचान के लिए जीएस मैपिंग और पैमाइश की जा रही है। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी भूमि पर कब्जा हटाने के बाद अगर दोबारा कब्जा होता है, तो संबंधित के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की जाएगी। भूमाफियाओं को संरक्षण देने वालों पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार में आग लगी, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शनिवार तड़के एक कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे उसमें आग लग गई। कार पलटते ही ड्राइवर किसी तरह से बाहर निकल गया और झुलसने से बच गया। आग से कार का इंजन जल गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन से कार हटवाई और ट्रैफिक दुरुस्त किया। जानकारी के मुताबिक चलती कार का अगला पहिया अचानक टूट गया, जिसकी वजह से कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। स्पीड ज्यादा होने की वजह से कार टकराते ही पलट गई और उसमें आग लग गई। कार पलटने और आग लगने की सूचना पर दमकल की टीम पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। एसएचओ गोमती नगर ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार में स्पार्किंग हुई, जिसकी वजह से आग लगी थी। जानकारी के मुताबिक यह घटना गोमती नगर चिनहट रोड पर वास्तु खंड स्थित शुभ–लाभ रेस्टोरेंट के सामने हुई। कार ड्राइवर संतोष शर्मा विराम खंड के रहने वाले हैं। उन्हें हल्की चोट आई है और वो समय रहते कार से बाहर निकल गए।

मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए, अखिलेश और मायावती ने दी सलाह

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंत्येष्टि स्थल और स्मारक के चयन को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि इस मामले में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। गृह मंत्रालय ने कहा था कि सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ नयी दिल्ली के निगमबोध घाट पर पूर्वाह्न 11 बजकर 45 मिनट किया जाएगा। राजनीतिक दलों ने इसके बाद ही हमले करने शुरू कर दिए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया मंच एक्ष्स पर लिखा, ''देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की समाधि के संदर्भ में सम्मान की परंपरा का निर्वहन होना चाहिए। इस विषय पर न किसी राजनीति की आवश्यकता है, न होनी चाहिए। यादव ने कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह जी की समाधि राजघाट पर ही बननी चाहिए। भाजपा अपनी संकीर्ण सोच का अनुचित उदाहरण प्रस्तुत न करे। इतिहास भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) को उसके इस नकारात्मक नजरिये के लिए कभी माफ नहीं करेगा। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी एक्ष्स पर एक पोस्ट के जरिए नसीहत देते हुए कहा कि केंद्र सरकार को देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार उसी स्थान पर करना चाहिए और उनके सम्मान में उसी स्थान पर स्मारक बनवाना चाहिए जहां उनके परिवार की दिली इच्छा है। मायावती ने कहा, ''इसके लिए कोई राजनीति करना ठीक नहीं है और इन मामलों में यदि केंद्र सरकार उनके परिवार एवं सिख समाज की भी भावनाओं का सम्मान करती है तो यह उचित होगा।

साहित्य और अर्थशास्त्र का संगम,भारत की वर्तमान आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में निशातगंज स्थित कैफी आजमी सभागार में शनिवार को साहित्यिक–सांस्कृतिक पत्रिका 'शब्द सत्ता' ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन कथाकार और व्यंग्यकार दामोदर दत्त दीक्षित की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हुआ। कार्यक्रम में संगोष्ठी, पुस्तक विमोचन और सम्मान समारोह शामिल था। इस कार्यक्रम का विषय था, 'वर्तमान भारतीय आर्थिक परिदृश्य–चुनौतियां और समाधान'। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री प्रो. अरुण कुमार और विशिष्ट अतिथि डॉ. सुभाष राय ने अपने विचार साझा किए। प्रो. अरुण कुमार ने असंगठित क्षेत्र की अनदेखी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा जीडीपी में 94: असंगठित क्षेत्र शामिल नहीं होता, जिससे विकास के आंकड़े भ्रामक हो जाते हैं। उन्होंने गरीबी बढ़ने का कारण पूंजी का देश से बाहर जाना बताया। साथ ही, एआई और तकनीकी शिक्षा पर ध्यान देने की बात कही। डॉ. सुभाष राय ने साहित्य और अर्थशास्त्र के संबंध पर चर्चा की। उन्होंने धर्म के नाम पर हो रहे विभाजन को देश के लिए खतरनाक बताया। दामोदर दत्त दीक्षित ने कहा कि आजादी के बाद इतिहास पर वैचारिकता हावी हो गई। उन्होंने निष्पक्ष और सटीक इतिहास लेखन की आवश्यकता पर जोर दिया। साहित्यकार शैलेन्द्र सागर ने दीक्षित के उपन्यास 'धुआं और चीखें और 'श्यामपुर चीनी मिल' को समाज के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। उन्होंने 75 वर्ष की उम्र के बाद साहित्य लेखन जारी रखने को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का संयोजन सुशील सीतापुरी ने किया और संचालन नाइश हसन ने संभाला। इस मौके पर बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी में नई पदाधिकारियों की नियुक्ति शकील मलिक ने सौंपे नियुक्ति पत्र

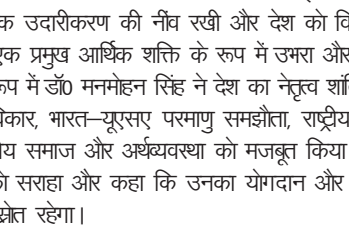

लखनऊ((संवाददाता)) वरिष्ठ नेता, उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद श्री संजय सिंह जी के संज्ञान और स्वीकृति उपरांत, प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ शकील मलिक द्वारा विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियाँ की गई हैं। शकील मलिक ने इन सभी पदाधिकारियों को बधाई दी और नियुक्ति पत्र सौंपते हुए आशा व्यक्त की कि सभी पदाधिकारी पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने और संगठन विस्तार में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।इस अवसर पर डॉ. गुरमिंदर सिंह को प्रदेश महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया। इमरान नम्बरदार को प्रदेश उपाध्यक्ष, शाहिद भाई को प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रभारी–अयोध्या प्रांत, तथा तारिक अनवर को उपाध्यक्ष और प्रभारी पूर्वांचल प्रांत नियुक्त किया गया। इसके अलावा, अनवार अहमद सैफी को गाजियाबाद जिला अध्यक्ष, मुहम्मद कलीम को गोरखपुर जिला अध्यक्ष, वसीद अहमद को सुलतानपुर जिला अध्यक्ष और रिजवान खान को झांसी जिला अध्यक्ष बनाया गया।इन नियुक्तियों के साथ पार्टी संगठन को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

काग्रेस द्वारा डा. मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ((संवाददाता)), देश के पूर्व प्रधानमंत्री, महान अर्थशास्त्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्व0 डॉ0 मनमोहन सिंह जी के निधन पर आज पूरे प्रदेश भर के जनपदों में कांग्रेसजनों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्व0 डॉ0 मनमोहन सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि स्व0 मनमोहन सिंह के जीवन और कार्यों ने भारत के भविष्य को नई दिशा दी। 1990 के दशक में वित्त मंत्री के रूप में डॉ0 सिंह ने भारत के आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी और देश को वित्तीय संकट से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में भारत एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा और कई ऐतिहासिक सुधार हुए।अजय राय ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में डॉ0 मनमोहन सिंह ने देश का नेतृत्व शांति और दृढ़ संकल्प के साथ किया। उनके नेतृत्व में मनरेगा, शिक्षा का अधिकार, भारत–यूएसए परमाणु समझौता, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए, जिन्होंने भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अजय राय ने डॉ0 सिंह के असाधारण गुणों को सराहा और कहा कि उनका योगदान और मार्गदर्शन सदैव जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

शिकायतों का निस्तारण न करने पर रोका वेतन

0 मामला आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता वरतने का

सोनभद्र(एजेंसी)। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा संदर्भ में प्राप्त फीडबैक में अधिकारियों द्वारा शिकायतों का निस्तारण समय से न किये जाने पर माह दिसम्बर के वेतन भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि वेतन आहरण इस शर्त के साथ किया जायेगा कि जब अधिकारियों द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र दिया जायेगा कि पोर्टल पर प्राप्त समस्त संदर्भो के निस्तारण में शिकायतकर्ता से सम्पर्क एवं स्थलीय सत्यापन करते हुए आख्या अपलोड की गयी है। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण न करने में क्षेत्राधिकारी, सदर नगर, घोरावल, ओबरा, पिपरी, दुद्धी, थानाध्यक्ष शाहगंज, रामपुर बरकोनिया, कोन, रायपुर, विण्ढमगंज, बीजपुर, पिपरी, राबर्ट्सगंज, जुगैल, दुद्धी. शक्तिनगर, घोरावल, अनपरा ओबरा, बभनी, म्योरपुर करमा, पन्नुगंज, चोपन, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रभारी चिकित्साधिकारी चोपन, राबर्ट्सगंज, घोरावल, म्योरपुर, नगवा, चतरा, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज, नगर पंचायत अनपरा, ओबरा, सहायक विकास अधिकारी (पं०), चोपन, राबर्ट्सगंज, नगवां, बभनी, चतरा, दुद्धी, म्योरपुर, घोरावल, बाल विकास परियोजना अधिकारी, नगवां, चतरा चोपन, दुद्धी, जिला विद्यालय निरीक्षक, खण्ड शिक्षा अधिकारी—नगवां, म्योरपुर, चोपन, चतरा, खण्ड विकास अधिकारी—दुद्धी, राबर्ट्सगंज, करमा, जिला पूर्ति अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक—राबर्ट्सगज, घोरावल, उप जिलाधिकारी घोरावल, राबर्ट्सगज, दुद्धी, ओबरा, तहसीलदार ओबरा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी घोरावल, जिला कृषि अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी राबर्ट्सगंज, जिला उपायुक्त मनरेगा, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता, प्रा०ख०, लो०नि०वि०, सहायक परिवहन अधिकारी (प्रर्वतन), जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, पिपरी, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, सब रजिस्ट्रार, घोरावल, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक अभियन्ता लघु सिचाई, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, परियोजना अधिकारी डूडा द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय से नहीं किया गया है और ना ही सम्बन्धित शिकायतकर्ताओं से वार्ता कर फीडबैक लिया गया हैं।

श्रीराम का वनवास ना होता तो विश्व का कल्याण ना होता-सूर्य लाल

मानस नवाह्व पाठ में राम दरबार का हुआ श्रृंगार

सोनभद्र(एजेंसी)। नगर के आरटीएस क्लब में चल रहे श्री रामचरितमानस नवान्ह पाठ के चतुर्थ दिवस श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार किया गया और भगवान के वनवास की झांकी का दर्शन भक्तजनों ने किया। रामचरितमानस के दोहा और चौपाई का गायन करते हुए मुख्य आचार्य सूर्यलाल मिश्र ने कहा कि भगवान श्रीराम का वनवास ना होता तो विश्व का कल्याण ना होता। ऋषि—मुनियों और ब्राह्मणों को सताने वाले राक्षसों का नाश ना होता। इसका माध्यम बनी उनकी माता केकई और कैकई को वनवास का सुझाव देने वाली मंथरा थी। इस मार्मिक दृश्य को सुनकर, देखकर भक्तजनों की आंखे भर आई तथा जो केकई और मंथरा ने भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास के लिए दोषी थी, उन्हें कटु शब्दो से संबोधित करने लगे। यह कथा लोक में प्रचलित है और हजारों वर्ष बीत जाने के बाद भी आज भी कोई अपने पुत्री का नाम कैकेई और मंथरा नही रखता है। जबकि प्रभु श्री राम के ह्दय में माता कैकेई और दासी मंथरा के प्रति अगाध प्रेम था। जिसे तुलसी दास जी ने अपने ग्रंथ श्री रामचरितमानस में उद्धित किया है। वही एक दिन पूर्व रात्रि प्रवचन सुप्रसिद्ध कथा वाचक नीरज जी भैया ने धनुष यज्ञ पर बोलते हुए बताएं कि टूट कहीं धनु हुई विवाहू के आधार पर धनुष के टूटते ही विवाह हो गया लेकिन कुलगुरू है उससे पूछ कर वंश व्यवहार के अनुरूप अयोध्या नरेश को पत्र भेजकर बुलाने की सलाह दिया। उन्होंने आगे परशुराम संवाद पर बोलते हुए कहा कि तेहिं छड राम मध्य धनु तोड़ा। भरे भुवन धवनि घोर कठोरा। धनुष के टूटने की आवाज से सारा भुवन में नाद हुआ जिसकी जिसकी आवाज सुनकर परशुराम यज्ञ स्थल पर आ गए उन्हें देख कर सारे राजा थरथर कांपने लगे। आगे उन्होंने ने विवाह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राम सिया सिर सिंदूर देहि। शोभा कहीं न जात विधि केही। भगवान राम ने सीता की मांग में सिंदूर डालकर विवाह की विधि को पूरा किया। मंच का संचालन करते हुए आचार्य संतोष कुमार द्विवेदी ने कहा कि सिंदूर प्रेम का प्रतीक होने से पति के प्राण आयु को संरक्षित रखने की क्षमता होती है। इस अवसर पर सत्यपाल जैन, सुशील पाठक, किशोर केडिया, राकेश त्रिपाठी, रमेश केसरी, जे.एस. चतुर्वेदी, राजेंद्र केसरी, संजय जयसवाल, महेश दुबे, पप्पू शुक्ला, विमलेश पटेल, जेपी गुप्ता, मन्नू पांडे,बलदेव सिंह, विशाल पांडेय, सुधाकर दुबे, हर्षवर्धन, देवानंद सोनी आदि उपस्थित रहें।

शिक्षा के बगैर नहीं हो सकता विकास-डा.लोकपति

सोनभद्र(एजेंसी)। सब कुछ जानते हुए भी अपने विचारों को समाज में प्रकट न करना कहीं न कहीं सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक विकास में बाधा बनी हुई है। उक्त उद्गार वरिष्ठ सामाजिक चिंतक डॉ० लोकपति सिंह पटेल ने वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानदास कनौजिया और नंदकिशोर विश्वकर्मा से भेंट वार्ता के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि जब तक हम शिक्षित और जागरूक नहीं होंगे तब तक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने नूतन वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने हक और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक होना चाहिए। अपनी बातों को बेझिझक समाज में बुलंदियों के साथ रखनी चाहिए। बैसाखी के सहारे न रहें, क्योंकि यह कभी भी कहीं भी गिरा सकती है। खुद अपने बल पर खड़े रहें। वरिष्ठ सामाजिक चिंतक ने कहा कि यदि ऐसा करने में पीछे रहे तो समाज के दबे, कुचले, पिछड़े तथा दलित के साथ ही किसान, युवा, बेरोजगार, मजदूर कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते, वह हमेशा समस्याओं से घिरे रहेंगे। ऐसे में शिक्षित व जागरूक होना जरूरी है। आधी आबादी को भी अग्रसर होना चाहिए। नए साल में जनपद वासियों विशेषकर घोरावल विधान सभा क्षेत्र के लोगों को स्वस्थ रहने की मंगल कामना करते हुए कहा कि 'नव वर्ष' का प्रतिदिन तुम्हें उल्लास—हास विलास दे, नव प्रेरणा संकल्प दे, नव आश दे विश्वास दे, जीवन सदा सुखमय रहे।" उन्होंने लोगों से जागरूक होने की अपील किया है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

सोनभद्र(एजेंसी)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शनिवार को पूर्वान्ह 10.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आहूत की गयी है। जिसमें सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। बैठक में सम्बन्धितों को पूरी तैयारी के साथ उपस्थिति के लिए अपील किया गया है। यह जानकारी सचिव/अधिशासी अभियन्ता जिला सड़क सुरक्षा समिति ने शुक्रवार को दी।

मिथिलेश द्विवेदी की तेरहवीं में अर्पित किया श्रद्धासुमन

सोनभद्र(एजेंसी) पत्रकारों के पुरोधा वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार पं0स्व0मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी की तेरहवीं में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शत्—शत नमन किया। शुक्रवार को राबर्ट्सगंज नगर स्थित उनके आवास पर आयोजित तेरहवीं में शामिल प्रबुद्धजनों ने मृदुभाषी, मिलनसार स्व0मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी के आदर्श व सिद्धान्तों पर चर्चा करते हुए पत्रकारिता की अपूर्णनीय क्षति बताया। कहा कि इस क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती है। उपस्थित प्रबुद्धजनों ने दिवंगत मिथिलेश द्विवेदी के सुपुत्र दुर्गेश आनंद द्विवेदी व श्रृंगेश आनंद द्विवेदी को ढांढस बंधाते हुए हर सुख दुख में उनके साथ रहने का भरोसा दिलाया। कहाकि आप लोग स्व0द्विवेदी के आदर्शों व पदचिन्हों पर चलकर नाम रोशन करें। इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर, जगदीश पंथी, ओम प्रकाश त्रिपाठी, अमरनाथ अजेय, राजेश द्विवेदी, राकेश शरण मिश्र, रचना तिवारी, दिवाकर द्विवेदी, राम प्रसाद यादव, दीपक केशरवानी, रामजी गुप्ता, संतोष नागर, ज्ञानदास कनौजिया, प्रभात सिंह चन्देल, पंकज पाण्डेय, नन्दकिशोर, संजीव श्रीवास्तव, मीडिया फोरम ऑफ इण्डिया (न्यास) के जिलाध्यक्ष सर्वेश श्रीवास्तव, प्रमोद गुप्ता, चन्द्रशेखर पाण्डेय, राम अनुजधर द्विवेदी, इमरान बख्शी, राजकुमार सिंह, रमेश कुशवाहा, अनुपम तिवारी, विनय यादव, रीना सिंह आदि पत्रकार, साहित्यकार, कवि एवं प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

एएनएम की नियुक्तिको लेकर किया प्रदर्शन

सोनभद्र।(एजेंसी) कोन ब्लाक क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत कचनरवा में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य कार्यकत्री के न रहने से टीकाकरण प्रभावित हो रहा है। बताया गया कि उक्त पीएचसी पर अर्से से एएनएम नहीं हैं। जिस कारण आदिवासी क्षेत्र में निवास करने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रसव आदि भी प्रभावित है। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य छविंद्र नाथ चेरो व वरिष्ठ समाजसेवी बिहारी प्रसाद यादव ने बताया कि यह सिलसिला विगत कई महीनों से चलता आ रहा है। जिससे बच्चों का टीकाकरण व महिलाओं को प्रसव कराने में अतिरिक्त धन खर्च करने के साथ ही काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा परं जोरदार प्रदर्शन करते हुए संबंधित विभाग से उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर तत्काल एएनएम की व्यवस्था किये जाने की मांग की गयी। इस मौके पर जगदीश प्रसाद, कैलास राम, रघुवर प्रसाद, नथुनी शर्मा, सुक्खु उरांव, सुग्रीव प्रसाद, हरि प्रसाद गुप्ता, रामवृक्ष यादव, शंभुनाथ सहित तमाम ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सपा ने चौपाल लगा सुनी जन समस्याएं

सोनभद्र।(एजेंसी) सपा ने विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शुक्रवार को पीडीए जन चौपाल लगाकर दूसरे दिन भी जनता की समस्याओं से रूबरू हुई और उसके निस्तारण का भरोसा दिया। विधानसभा रावर्ट्सगंज के धर्मदासपुर, घोरावल के उरमौरा तथा ओबरा के सलखन व दुद्धी में भी जन चौपाल का कार्यक्रम लगाया गया। यहां सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री डा0मनामोहन सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर गत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी। जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहेब के डा0 भीमराव अम्बेडकर के संविधान के लिए सपा का एक—एक कार्यकर्ता आखिरी दम तक लड़ने का काम करेगा। उन्होने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है। लेकिन सपा इनके मनसूबे को कामयाब नहीं होने देगी। जन चौपाल को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा कि यह भाजपा सरकार संविधान विरोधी है। इनसे आदिवासियों, गरीबों, मजदूरों, नौजवानों, व्यापारियों, अल्पसंख्यकों और हर समाज के हर पिछड़े लोगों से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा सरकार पूंजीपतियों की सरकार है। इस मौके पर मोहम्मद सईद कुरैशी, संजय यादव, सुनील गौड़, रामप्यारे सिंह पटेल, अनिल प्रधान, अशोक पटेल, परमेश्वर यादव, अवध नारायण यादव, सत्यम पांडेय, बबलू धांगर, सुरेंद्र यादव, मुकेश सिंह, मनोज यादव, श्याम बिहारी गौड़, यज्ञ नारायण यादव आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यालय पर किया गया शोक सभा का आयोजन, मनमोहन सिंह के पड़ चिन्हो पर लिया गया चलने का संकल्प

आजमगढ़रूपूर्व प्रधानमंत्री महान अर्थशास्त्री डॉक्टर मनमोहन सिंह जी के निधन को सुनते ही जनपद के कांग्रेसजनों में शोक की लहर दौड़ गई आज शहर कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष मोहम्मद नजम शमीम की अध्यक्षता में जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने कांग्रेस कार्यालय पर 2 मिनट का मौन रखकर शोक सभा की! संचालन निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष तेज बहादुर यादव ने किया और उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराया! पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से देश ने एक सच्चा देशभक्त, महान अर्थशास्त्री और सादगी के प्रतीक और दूरदर्शी व्यक्ती को खो दिया। 1991 के आर्थिक संकट में उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत के लिए वरदान साबित हुआ। उनके द्वारा किए गए अर्थिक सुधारों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सूचना क्रांति, मनरेगा, किसानों की कर्जमाफी और शिक्षा का अधिकार कानून, सूचना का अधिकार कानून , खाद्य सुरक्षा अधिनियम भोजन का अधिकार कानून, भारत अमेरिका परमाणु समझौता, गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए, जिनका लाभ भारत आज भी उठा रहा है।पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का निधन देश के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। डॉ साहब सरल, सौम्य एवं ईमानदार के धनी थे। भारत के आर्थिक विकास, अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता एवं दुनिया में भारत को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में मनमोहन सिंह जी का बहुत बड़ा योगदान है। वित्त मंत्री के रूप में भारत को नई दिशा देने वाला आर्थिक उदारीकरण जैसा बड़ा कदम उठाया। शहर कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष नजम शमीम ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि एक सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर अर्थशास्त्री, रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं प्रधानमंत्री तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनको हमेशा याद किया जाएगा उनकी ईमानदारी, विनम्रता और राष्ट्रसेवा का हर भारतीय सदैव ऋणी रहेगा। यह युगांतकारी क्षति है। पूर्णमासी प्रजापति ने कहा कि भारत देश उनको आर्थिक सुधारो के जनक के रूप में जानेगा जिला उपाध्यक्ष कौशल कुमार सिंह ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी देश की जनता के लिए समर्पित थे उन्होंने विश्व जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था तू देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया और उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि किसानों का ऋण माफ करना है देश उन्हें सदैव याद रखेगा श्रद्धांजलि सभा में अन्य वक्ता मुन्नू यादव, रमेश राजभर, बिलाल अहमद बेग, मुन्नू मौर्य, देव मुनि राजभर, सुरेंद्र सिंह, गिरीश चतुर्वेदी, जमील अहमद, मिर्जा शान आलम, जगदंबिका चतुर्वेदी, चंद्रपाल यादव, सुरेंद्र तिवारी, राम गणेश प्रजापति आदि पदाधिकारी ने भी डॉ मनमोहन सिंह जी के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्योंऔर उनके जीवन पर प्रकाश डाला! कार्यक्रम में सर्व श्री कौशल कुमार सिंह मुन्ना, रमेश राजभर,तेजबहादुर यादव,बेलाल बेग, मुन्नू यादव, हरिओम उपाध्याय, मिर्जा शानेआलम बेग, पूर्णमासी प्रजापति, रामगणेश प्रजापति, मुन्नू मौर्य, सुरेंद्र सिंह रामप्यारे यादव, गिरीश चतुर्वेदी, बालचंद राम, वीरेंद्र चौहान, प्रेमा चौहान, शीला भारती, जगदंबिका चतुर्वेदी, जितेंद्र कुमार, शंभू शास्त्री, हरिश्चंद्र शास्त्री, तुषार सिंह, अमित पांडेय, कमलेश राय,विपिन राय बालकरन निषाद,राहुल राय,देवीमुनी राजभर, जमील अहमद, सुरेंद्र तिवारी, मंत्राज यादव, नगीना मौर्य, हरिहर प्रसाद, डॉ. रमेश शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे!

ढाई साल की बच्ची का किया दुष्कर्म

आजमगढ़।(आरएनएस) पवई थाना क्षेत्र में मानवता शर्मसार करने की घटना सामने आई है। एक 27 वर्षीय युवक द्वारा अपने पड़ोसी की ढाई साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसी शर्मनाक घटना को अंजाम दिया गया। बच्ची की चीख सुनकर पिता मौके पर पहुंचा और आरोपी के चुंगल से बच्ची को छुड़ाया। खून से लथपथ बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस मामले में पुलिस ने बिटिया के पिता तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर बच्ची को चिकित्सा हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। घटना गुरुवार शाम पांच बजे के करीब की है।पवई थाना क्षेत्र में गुरूवार की शाम को ढाई वर्षीय बालिका घर के बाहर खेल रही थी, अचानक उसके पिता ने उसके चीखने चिल्लाने की आवाज सुनी, जब वह भागकर घर से बाहर आया तो देखा कि उसकी बच्ची बगल के घर में चिल्ला रही है, जब वह वहां गया तो देखा कि उसका पड़ोसी 27 वर्षीय इंद्रेश उसकी बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा और बच्ची चीख रही है, बच्ची के पिता को देख कर वह युवक बच्ची को लहुलुहान हालत में छोड़कर भाग गया। उसके बाद उसने घटना की सूचना डायल 112 की पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची और उसके पिता को थाने लेकर आई। उसके बाद पुलिस ने बच्ची को अस्पताल भेजवाने के साथ ही साथ पिता की तहरीर पर रात में ही युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया।अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पवई थानान्तर्गत ढाई साल के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म पीड़िता बच्ची को मेडिकल व इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको हिरासत में ले लिया है। जो भी तथ्य प्रकाश में आयेंगे उसके हिसाब से अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

ढाई साल की बच्ची का किया दुष्कर्म

आजमगढ़।(आरएनएस) पवई थाना क्षेत्र में मानवता शर्मसार करने की घटना सामने आई है। एक 27 वर्षीय युवक द्वारा अपने पड़ोसी की ढाई साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसी शर्मनाक घटना को अंजाम दिया गया। बच्ची की चीख सुनकर पिता मौके पर पहुंचा और आरोपी के चुंगल से बच्ची को छुड़ाया। खून से लथपथ बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस मामले में पुलिस ने बिटिया के पिता तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर बच्ची को चिकित्सा हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। घटना गुरुवार शाम पांच बजे के करीब की है।पवई थाना क्षेत्र में गुरूवार की शाम को ढाई वर्षीय बालिका घर के बाहर खेल रही थी, अचानक उसके पिता ने उसके चीखने चिल्लाने की आवाज सुनी, जब वह भागकर घर से बाहर आया तो देखा कि उसकी बच्ची बगल के घर में चिल्ला रही है, जब वह वहां गया तो देखा कि उसका पड़ोसी 27 वर्षीय इंद्रेश उसकी बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा और बच्ची चीख रही है, बच्ची के पिता को देख कर वह युवक बच्ची को लहुलुहान हालत में छोड़कर भाग गया। उसके बाद उसने घटना की सूचना डायल 112 की पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची और उसके पिता को थाने लेकर आई। उसके बाद पुलिस ने बच्ची को अस्पताल भेजवाने के साथ ही साथ पिता की तहरीर पर रात में ही युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया।अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पवई थानान्तर्गत ढाई साल के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म पीड़िता बच्ची को मेडिकल व इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको हिरासत में ले लिया है। जो भी तथ्य प्रकाश में आयेंगे उसके हिसाब से अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

कौशल प्रशिक्षित युवाओं को स्व रोजगार से जोड़ने हेतु मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान लागू

आजमगढ़रू(। शान द्वारा कौशल प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जुड़ने हेतु मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना लागू की गई है उक्त योजना के क्रियान्वयन के प्रारंभिक चरण में योजना के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार हेतु आज हरियड कला केंद्र स्थित ऑडिटोरियम में एक दिवसीय मंडलीय कार्यशाला का आयोजन किया गया स इस अवसर पर मंडल मुख्यालय के जनपद के अतिरिक्त बलिया एवं मऊ के उपायुक्त उद्योग सहायक प्रबंधक पटेल सहायक के साथ—साथ 100 से अधिक संख्या में विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभा किया गया स इस अवसर पर आजमगढ़ जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राजकीय पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित 400 से अधिक संख्या में अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभा किया गया स पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि के पश्चात कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सीएम युवा मिशन कार्यालय लखनऊ द्वारा नामित विशेषज्ञ अजय सिंह द्वारा योजना का परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया स क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किए जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रतिवर्ष 1लाख नई सूक्ष्म इकाइयां स्थापित किए जाने के लक्ष्य के साथ मिशन मोड में आगामी 10 वर्षों की समय अवधि में कुल 10 लाख नई सूक्ष्म इकाइयां स्थापित किए जाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति के लिए यह एक महत्वाकांक्षी नई योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का प्रतिपादन किया गया है स इस अवसर पर से रावत उपयुक्त उद्योग आजमगढ़ मायाराम सरोज उपयुक्त उद्योग बलिया जितेंद्र सिंह यादव सहायक प्रबंधक जिला उद्योग तथा उद्यमिता विकास केंद्र बलिया पारस राम सहायक प्रबंधक जिला उद्योग तथा उद्यमिता विकास केंद्र मऊ मृत्युंजय सहायक प्रबंधक जिला उद्योग तथा उद्यमिता विकास केंद्र मऊ एवं अग्रणी जिला प्रबंधक यूनियन बैंक आफ इंडिया आजमगढ़ प्रधानाचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आजमगढ़ प्रशिक्षण प्रभारी आरसेटी आजमगढ़ आदि की उपस्थिति रही स

पता बदल बदल कर कर फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़रू(आरएनएस)उप निरीक्षक जफर खान चौकी प्रभारी लाटघाट ने जीयनपुर कोतवाली पर प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पासपोर्ट सेल सोशल मीडिया एक्ट 2024 दिनांक 25 11.24 के माध्यम से मीडिया एक्ट यूजर आईडी यूज्ड फॉर बीजेपी के द्वारा आजमगढ़ पुलिस के सोशल मीडिया पर शिकायत कर पासपोर्ट धारक प्रभुनाथ यादव पुत्र त्रिलोकी यादव निवासी मोहम्मदपुर कोदरा थाना जीयनपुर आजमगढ़ की जांच व क्षेत्र भ्रमण से ज्ञात हुआ कि प्रभु नाथ यादव उपरोक्त अपना चार पासपोर्ट बनवाया है जिसके पासपोर्ट संख्या वी 450129 जारी दिनांक 13 6 1996 जन्म तिथि 1976 पता मोहम्मदपुर कोडरा पोस्ट दिघवनियाँ कई थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ जारी स्थान लखनऊ, पासपोर्ट संख्या ई 2306352 जारी दिनांक 10 6 2002 जन्म तिथि 1976 ग्राम चक्की हाजीपुर थाना रौनापार आजमगढ़ जारी स्थान लखनऊ, पासपोर्ट संख्या एच 5122388 जारी दिनांक 2७ ७2009 जन्मतिथि 2 ७4६ 1975 बदला नाम दीनानाथ यादव मझौलिया थाना बड़हलगंज जनपद गोरखपुर जारी स्थान लखनऊ, पासपोर्ट संख्या पी 0847832 जारी दिनांक 14६ 6 ६ 2016 जन्म तिथि 1७1 ७1964 ग्राम चुटही थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ जारी स्थान लखनऊ है स जिसकी जांच पूर्व में मेरे दाता करते हुए आख्या क्षेत्र अधिकारी सगड़ी को भेजा गया जिसके आधार पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा एफआईआर दर्ज करने हेतु दिनांक 23. 12.2024 को आदेशित किया गया है स थाना पर मुकदमा संख्या 569 ६ 2024 धारा 420 ७467 ७468६ 471 भदवी व 12(1)७ठ ७12(3) पासपोर्ट अधिनियम 1967 बनाम रघुनाथ यादव पुत्र त्रिलोकी यादव निवासी मोहम्मदपुर कोदरा थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ पंजीकृत किया गया जिसकी विवेचना उप निरीक्षक सुभाष तिवारी द्वारा की जा रही स उत्तम कदम के संबंध में आरोपी को उप निरीक्षक सुभाष तिवारी आज दिनांक 27. 12. 2024 को लाटघाट बाजार के पास से समय करीब 11रू45 बजे गिरफ्तार कर वैदिक कार्यवाही की जा रही है स

अनपं की बैठक में करोड़ों के विकास कार्यों को मिली मंजूरी

सोनभद्र।(एजेंसी) अनपरा नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से लगभग आधा दर्जन बाइलॉज पारित किये गए। इसी के साथ वित्तीय वर्ष 2024—25 में करोड़ों के विकास कार्यो की स्वीकृति भी प्रदान की गई। उक्त बोर्ड की बैठक में 17 सभासद उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआती दौर में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डा0मनमोहन सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर गत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गयी। तत्पश्चात् चेयरमैन विश्राम प्रसाद बैसवार की अध्यक्षता व अधिशासी अधिकारी अपर्णा मिश्रा के संचालन में आहूत की गई बोर्ड की चौथी बैठक में आम सहमति से लगभग आधा दर्जन बाइलॉज पारित करने के साथ ही करोडों के विकास कार्यों के प्रस्ताव को मंजूरी भी प्रदान की गयी। इस दौरान नगर पंचायत द्वारा स्वकर प्रणाली, संपत्ति हस्तान्तरण, लाइसेंस कर एवं अवशिष्ट पदार्थो से सम्बन्धीत कई उपविधिा पारित भी किया गया। नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता एवं नाली की साफ—सफाई, पर्यावरण को स्वच्छ रखना, विकास कार्यों की एक्शन प्लान पर भी चर्चा की गई। मकर संक्रांति के अवसर पर साफ—सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सफाई कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर गणेश तिवारी, सुधाकर सहित अन्य सभासदगण मौजूद रहे।

पेयजल को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र(एजेंसी)। आदिवासी क्षेत्र नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिकरवार के साड़घ्सोत गांव में पेयजल की विकट समस्या उत्पन्न हो गयी है। ग्रामीणों को नल जल योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। इनके लिए सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना केवल छलावा साबित हो रही है। बताया जाता है कि अमुक गांव के खरवार बस्ती में नल जल से पानी नहीं मिल रहा है। जिसकी वजह से रहवासी नदी, नालों का दूषित पानी पीने को मजबूर है। जिससे उनमें संक्रामक बीमारियों को लेकर आशंका बनी हुई है। इस संबंध में श्याम लाल, टनमन, अशोक, रामकेश आदि ग्रामीणों ने बताया कि जब से हम लोगों के घरों में नल जल की टोंटी लगी है तब से आज तक पानी की आपूर्ति नही की गई। इसी तरह की बात गांव की फुलवा ने भी कही। ग्रामीणों ने इस ओर जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए शुद्ध पेयजल यथाशीघ्र उपलब्ध कराये जाने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में श्याम लाल, अशोक भारती, रामकेश, मनोज कुमार, प्रभु पासवान, महेंद्र, रामकृत खरवार, रामचरण, अशोक, गोपाल फुलवा देवी, सरिता, कुंती देवी,सीता देवी, पार्वती, अनिता, इंद्रावती देवी सहित तमाम ग्रामीणजन शामिल रहे।

हिण्डाल्को ने आयोजित किया स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता

रेणुकूट,सोनभद्र(एजेंसी)। हिण्डाल्को सीएसआर विभाग द्वारा सामुदायिक परिवार कल्याण केन्द्र झारो खुर्द पर स्वस्थ्य शिशु प्रतियोगिता का आयोजन मुखिया समीर नायक के मार्गदर्शन एवं सीएसआर प्रमुख अनिल झा के नेतृत्व में शुक्रवार को किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण माताओं को बच्चों के सम्पूर्ण विकास, स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण तथा देखभाल हेतु जागरुक करना था। प्रतियोगिता में कुल 59 बच्चों की भीगदारी रही। जिन्हें उनके उम्र के अनुसार 0 से 12 माह, 13 से 36 तथा 37 से 60 माह के तीन समुह में वर्गीगृत किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास चिकित्सा सेवाओं की चिकित्सक सुनीता श्रीवास्तव और डॉ. टीएन चौबे ने माताओं को जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर हमेशा जागरूक रहें। जिससे बच्चों में होने वाले कुपोषण या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके। इस तरह हम स्वस्थ बच्चों के साथ स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने माताओं को उनके एवं बच्चों के लिए जरुरी पोषण हेतु आहार तालिका की भी विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होने प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर माताओं की सराहना करते हुए अन्य सभी माताओं को प्रोत्साहित किया। चिकित्सक द्वय द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य मानकों के आधार पर प्रत्येक श्रेणी में बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित भी किया गया। इसके साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को सान्त्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

मोहन भागवत का बयान देश की एकता-अखंडता के लिए महत्वपूर्ण

योगेंद्र योगी ।

भारत इस दृष्टि से विश्व को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक सॉफ्ट पावर से अवगत करा रहा है। ऐसे में देश में चल रहे मंदिर–मस्जिद के ऐतिहासिक विवाद क्या भारत की इस तरक्की की रफ्तार में ब्रेक लगाने का काम करेंगे।

भारत विश्व में तेजी से उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ कदम बढ़ा रहा है। भारत को 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था के अलावा भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व के तौर पर तेजी से उभर रहा है। खाड़ी के मुस्लिम देश भारत के महत्व और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से द्विपक्षीय रिश्तों को स्वीकार कर रहे हैं। यही वजह है कि भारत की इस ताकत को स्वीकारते हुए कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च कुवैती सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया है। यह किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। इस मौके पर पीएम मोदी ने अरबी भाषा में प्रकाशित रामायण और महाभारत की कृति कुवैतियों को सौंपी। इसका अनुवाद और प्रकाशन भी कुवैती मुसलमान ने किया हभारत इस दृष्टि से विश्व को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक सॉफ्ट पावर से अवगत करा रहा है। ऐसे में देश में चल रहे मंदिर–मस्जिद के ऐतिहासिक विवाद क्या भारत की इस तरक्की की रफ्तार में ब्रेक लगाने का काम करेंगे। इससे देश का सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ेगा। पूर्व में इसी तरह के सांप्रदायिक विवादों की भारत ने जान–माल के नुकसान और वैश्विक निवेश को लेकर संशय के कारण बड़ी कीमत चुकाई है। इसी आंशका के कारण राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने धार्मिक स्थलों पर गढ़े मुर्दे उखाडने को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की है। भागवत को अंदाजा है कि ऐसे विवाद से भारत की छवि को नुकसान होगा। इससे कहीं न कहीं प्रगति पर भी असर पड़ेगा। यही वजह है कि संघ की धार्मिक कट्टर छवि के बावजूद भागवत ने ऐसे मुद्दे उठाने वालों को तगड़ी लताड़ लगाई है। भागवत ने पुणे में हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान कहा कि कहीं मंदिर–मस्जिद के रोज नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। भागवत के भाषण की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इस वक्त देश में संभल, मथुरा, काशी जैसे कई जगहों की मस्जिदों के प्राचीन समय में मंदिर होने के दावे किए गए हैं। इनके सर्वे की मांग हो रही है और कुछ मामले अदालतों में लंबित हैं। भागवत ने कहा कि हमारे यहां हमारी ही बातें सही, बाकी सब गलत, यह चलेगा नहीं। अलग–अलग मुद्दे रहे तब भी हम सब मिलजुल कर रहेंगे। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ न हो इस बात का ख्याल रखेंगे। जितनी श्रद्धा मेरी मेरी खुद्द की बातों में है, उतनी श्रद्धा मेरी दूसरों की बातों में भी रहनी चाहिए। भागवत ने ये भी कहा कि रामकृष्ण मिशन में आज भी 25 दिसंबर (बड़ा दिन) मनाते हैं, क्योंकि यह हम कर सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं और हम दुनिया में सब के साथ मिलजुल कर रह रहे हैं। यह सौहार्द अगर दुनिया को चाहिए तो उन्हें अपने देश में यह मॉडल लाना होगा। आरएसएस प्रमुख ने किसी विशेष विवाद का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाहर से आए कुछ समूह अपने साथ कट्टरता लेकर आए हैं और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन वापस आए। उन्होंने कहा, लेकिन अब देश संविधान के अनुसार चलता है। इस व्यवस्था में लोग अपने प्रतिनिधि चुनते हैं, जो सरकार चलाते हैं। आधिपत्य के दिन चले गए हैं। मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन इसी तरह की दृढ़ता से जाना जाता था। हालांकि उनके वंशज बहादुर शाह जफर ने 1857 में गोहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया था। गौरतलब है कि राजस्थान के अजमेर शरीफ दरगाह से जुड़ा विवाद और संभल में एक मस्जिद से जुड़े ऐसे विवादित मुद्दों ने जोर पकड़ लिया था। अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने अजमेर शरीफ दरगाह के नीचे मंदिर का दावा करने वाली याचिका को हाल ही में स्वीकार कर लिया था। कुछ ही दिन पहले उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद के बारे में भी इसी तरह का दावा किया गया था और जिला अदालत ने मामले में सर्वे का आदेश दिया था सर्वे के दिन ही संभल में हिंसा भी भड़की थी, जिसमें पुलिस ने चार लोगों की मौत की पुष्टि की थी। आरएसएस प्रमुख भागवत का यह बयान सभी को पच नहीं रहा है। दरअसल इस बयान ने हिन्दुत्व के नेतृत्व का विवाद पैदा कर दिया है। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि मैं मोहन भागवत के बयान से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासक नहीं हैं। बल्कि हम उनके अनुशासक हैं। वहीं, उत्तराखंड में ज्योतिर्मठ पीठ के शंकरचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मोहन भागवत पर राजनीतिक रूप से सुविधाजनक रुख अपनाने का आरोप लगाया। सरस्वती ने कहा, जब उन्हें सत्ता चाहिए थी, तब वे मंदिरों के बारे में बोलते रहे। अब जब उनके पास सत्ता है तो वे मंदिरों की तलाश ना करने की सलाह दे रहे हैं।

अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि मंदिर और मस्जिद का संघर्ष एक सांप्रदायिक मुद्दा है और जिस तरह से ये मुद्दे उठ रहे हैं, कुछ लोग नेता बनते जा रहे हैं। अगर नेता बनना ही इसका मकध्सद है तो इस तरह का संघर्ष उचित नहीं है। लोग महज नेता बनने के लिए इस तरह के संघर्ष शुरू कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक? यहां सब बराबर हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि बाकी संघ परिवार भागवत के बयान पर ध्यान देगा। कांग्रेस के ही एक और सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत को ये रचनात्मक सलाह उन लोगों को देनी चाहिए जो संविधान का अपमान कर रहे हैं ताकि देश में शांति और समृद्धि बनी रहे। आरएसएस प्रमुख का बयान ऐसे समय आया है जब सोशल मीडिया पर मंदिर–मस्जिद के जहरीले बयानों की बाढ़ आई हुई है। भागवत ने वक्त की नजाकत को समझते हुए सही बयान दिया है। इससे देश की गंगा–जमुनी संस्कृति कायम रहेगी। ऐसे विवादित मुद्दों की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने के लिए सांप्रदायिक एकता में दरार डालने कतिपय तत्वों के हौसले पस्त होंगे।

सम्पादकीय

विचार विमर्श की प्रक्रिया विपक्ष की वजह से लंबी खींची रही

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

देश के नागरिकों ने क्या विपक्ष का चुनाव उसी काम के लिए किया है, जो विपक्षी पार्टियों ने संसद के शीतकालीन सत्र में किया है? यह यक्ष प्रश्न है और इसका जवाब निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों के देना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र की यह सुंदरता है कि इसमें मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने तीन चुनाव में पहली बार कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर चुना है। इससे पहले दो चुनावों में देश के मतदाताओं ने कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी बनने लायक जनादेश भी नहीं दिया था। परंतु इस बार उसे मुख्य विपक्षी पार्टी का जनादेश मिला तो क्या वह इसलिए मिला कि श्री राहुल गांधी आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष बनें और अपने 99 सांसदों के दम पर संसद को ठप्प कर दें या संसद के सत्र में अनावश्यक मुद्दे उठाएं और कामकाज बाधित करें या संसदीय परंपराओं को खंडित करें और एक सांसद ने नाते मर्यादा की गिरावट की नई मिसाल बनाएं?मतदाताओं ने सरकार का बहुमत कम किया और विपक्ष की शक्ति बढ़ाई तो उसका उद्देश्य सरकार को पहले से ज्यादा जवाबदेह बनाने के साथ साथ विपक्ष को भी रचनात्मक भूमिका देने का था। परंतु ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने जनादेश की गलत व्याख्या कर ली। उसको लग रहा है कि जनता ने उसे सरकार को कामकाज नहीं करने देने के लिए पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाया है।

संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी पार्टियों ने इसी धारणा के साथ काम किया। पहले दिन से विपक्षी सांसदों ने अनावश्यक मुद्दे उठाए और कामकाज नहीं चलने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सत्र के पहले दिन, 25 नवंबर को विपक्षी पार्टियों से आह्वान किया था कि संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करें। संसदीय कार्यमंत्री श्री किरेन रिजीजू ने कहा था कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। परंतु पहले दिन से ऐसा लगा कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने संकल्प किया हुआ है कि कार्यवाही नहीं चलने देनी है। उसने पहले दिन से अडानी समूह का मुद्दा उठाया। यह सही है कि अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह से जुड़े आठ लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं। परंतु क्या कांग्रेस पार्टी खासतौर से श्री मल्लिकार्जुन खडगे और श्री राहुल गांधी कभी यह सोचते हैं कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले इस तरह के मुद्दे कहां से और क्यों आ जाते हैं?

पूरे वर्ष में संसद के सिर्फ तीन सत्र होते हैं। अधिकतम चार महीने संसद की कार्यवाही चलती है। परंतु हर बार उससे पहले कोई न कोई विदेशी मीडिया या रिसर्च संस्थान या कोई गैर सरकारी संगठन भारत को लेकर कथित खुलासा कर देता है और उसके बाद विपक्षी पार्टियां उसके आधार पर हंगामा करके संसद नहीं चलने देती हैं। विपक्ष को निश्चित रूप से यह सोचना चाहिए कि हर बार सत्र से पहले क्यों हिंडनबर्ग या पेगासस या ओसीसीआरपी या मीडियापार्ट की खबरें आती हैं? और उसके आधार पर संसद नहीं चलने या पक्ष और विपक्ष में टकराव बढने से किसका फायदा होता है और किसको नुकसान होता है?

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। यह पहली बार हुआ कि विपक्ष ने लगातार दो सत्रों में सभापति के खिलाफ इस तरह से अविश्वास प्रस्ताव का प्रयास किया। हालांकि सत्र के अंतिम दिन उप सभापति श्री हरिवंश ने विपक्ष को नोटिस को नामंजूर कर दिया। लेकिन विपक्ष ने दिखा दिया कि वह टकराव बढ़ाने के लिए किस हद तक जाने को तैयार है। रचनात्मक भूमिका निभाने और संसदीय कार्यवाही में सकारात्मक योगदान देने की बजाय विपक्ष की यह नकारात्मकता उसको खुद को तो नुकसान पहुंचा ही रही है अंततरू देश को भी नुकसान पहुंचा रही है।

विपक्ष ने संसद को एक तरह से राजनीतिक उद्देश्य पूरा करने के लिए लड़ाई का मैदान बना दिया है। इसे शीतकालीन सत्र के अंतिम तीन दिन की कार्यवाही से समझा जा सकता है। राज्यसभा में संविधान पर दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार, 17 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अतिम शाह ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रति उमड़े विपक्ष के नए नए प्रेम पर तंज किया और कहा कि, श्अभी एक नया फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकरज् इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाताय। इसमें डॉक्टर अंबेडकर के लिए कुछ भी अपमानजनक नहीं है।

यह विपक्ष पर व्यंग्य था क्योंकि कांग्रेस और उसकी ज्यादातर सहयोगी पार्टियों ने कभी भी बाबा साहेब अंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। कांग्रेस ने उनको भारत रत्न नहीं मिलने दिया। उन्हें भारत रत्न तब मिला, जब कांग्रेस दूसरी बार केंद्र की सत्ता से बाहर हुई और भाजपा के समर्थन वाली सरकार बनी। कांग्रेस को जब लगा कि डॉक्टर अंबेडकर की अनदेखी करने और एक परिवार के लिए सब कुछ आरक्षित करने की उसकी नीति सवालों के घेरे में आई हुई है तो उसने उलटे बाबा साहेब के अपमान का मुद्दा बना दिया।

जिन लोगों ने अपने लंबे शासनकाल में कभी भी डॉक्टर अंबेडकर को सम्मान नहीं दिया और दलितों, पिछड़ों, वंचितों के लिए बाबा साहेब की सोच को शासन में लागू नहीं किया उन लोगों ने उनके अपमान का झूठा मुद्दा बना कर संसद को लड़ाई का अखाड़ा बना दिया। शीतकालीन सत्र में संसदीय राजनीति पर धब्बा लगाने वाली दूसरी घटना भी इसी से जुड़ी है।

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

संजय सक्सेना ।

मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर–मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है।

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग–अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो–हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर–मस्जिद वाले बयान पर साधु–संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर–मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर–मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए।स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर–मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधू संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ–साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था।

बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ–साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की।

बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर–मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर–मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। इस पर हिंदूवादी संगठलनों का दावा है कि ये पुरानी मस्जिदें, मंदिर स्थलों पर बनाई गई थीं। इन मस्जिदों में जौनपुर की अटाला और संभल की शाही जामा मस्जिद भी शामिल है, जिस मामले में हाल ही में हिंसा हुई थी। 24 नवंबर को भड़की हिंसा में पांच लोग मारे गए थे।उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर राजनीति भी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर–मस्जिद विवाद न उठाने का बयान लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से था। यह आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दर्शाता है, क्योंकि इसके नेता जो कहते हैं उसके ठीक विपरीत करते हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाने वालों का समर्थन करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरएसएस प्रमुख को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस प्रमुख ईमानदार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी चाहिए कि भविष्य में संघ ऐसे नेताओं का समर्थन कभी नहीं करेगा जो सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालते हैं। जयराम ने कहा कि आरएसएस प्रमुख ऐसा नहीं कहेंगे, क्योंकि मंदिर–मस्जिद का मुद्दा आरएसएस के इशारे पर हो रहा है। कई मामलों में, जो लोग ऐसे विभाजनकारी मुद्दों को भड़काते हैं और दंगे करवाते हैं उनके आरएसएस से संबंधा होते हैं।

पदलोलुपता से बिरत नेता मनमोहन सिंह

Hkkरत के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व के जाने माने अर्थशास्त्री डा. मनमोहन सिंह का गत 26 दिसम्बर को रात में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। उनके निधन से देश के निवासियों ने एक कमी महसूस की है। एक ऐसा नेता चला गया जिसमें पदलोलुपता नाम की कोई चीज नहीं थी। वह वित्तमंत्री बने तब भी देश को उनकी जरूरत थी और प्रधानमंत्री बने तब भी इस देश को एक ऐसे प्रधानमंत्री की जरूरत थी जो विश्व की अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था को खड़ा कर सके। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा कि उन्होंने आर्थिक नीति पर गहरी छाप छोड़ी है। भविष्य में अर्थव्यवस्था ही दुनिया की दिशा और दशा तय करने वाली है। डा. मनमोहन सिंह यह बात समझते थे और भारत के वित्त मंत्री और वित्त सचिव रहने के दौरान ही आर्थिक उदारवाद की नीतियां लागू की गयी थीं। डा. मनमोहन सिंह को इसलिए भी याद रखा जाएगा कि उनमें राजनीतिक पद लिप्सा नहीं थी। आज कुर्सी पाने के लिए नई–नई साजिशें रची जाती हैं लेकिन डा. मनमोहन सिंह ने कभी भी कुर्सी का मोह नहीं दिखाया। आज के राजनेताओं को उनसे सीख लेनी चाहिए। यह देश डा. मनमोहन सिंह की सादगी को भी कभी नहीं भूल पाएगा। उन्हें शत्–शत् नमन।

मनमोहन सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर,1932 को हुआ था। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। यहाँ पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तर्मुखी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। डॉ० सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ० सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ० सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का प्रणेता माना गया है। आम जनमानस में ये साल निश्चित रूप से डॉ० सिंह के व्यक्तित्व के इर्द–गिर्द घूमता रहा है।

1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को भारतीय योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने निरन्तर पाँच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में वह प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार बनाए गए। जब पी. वी. नरसिंहराव प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने मनमोहन सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में सम्मिलित करते हुए वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंप दिया। इस समय डॉ० मनमोहन सिंह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे लेकिन संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा के लिए चुना गया।

मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण को उपचार के रूप में प्रस्तुत किया और भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व बाजार के साथ जोड़ दिया। डॉ० मनमोहन सिंह ने आयात और निर्यात को भी सरल बनाया। लाइसेंस एवं परमिट गुजरे जमाने की चीज हो गई। निजी पूंजी को उत्साहित करके रुग्ण एवं घाटे में चलने वाले सार्वजनिक उपक्रमों हेतु अलग से नीतियाँ विकसित कीं। नई अर्थव्यवस्था जब घुटनों पर चल रही थी, तब पी. वी. नरसिम्हा राव को कटु आलोचना का शिकार होना पड़ा। विपक्ष उन्हें नए आर्थिक प्रयोग से सावधान कर रहा था लेकिन श्री राव ने मनमोहन सिंह पर पूरा यकीन रखा। मात्र दो वर्ष बाद ही आलोचकों के मुँह बंद हो गए और उनकी आँखें फैल गईं। उदारीकरण के बेहतरीन परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था में नजर आने लगे थे और इस प्रकार एक गैर राजनीतिक व्यक्ति जो अर्थशास्त्र का प्रोफेसर था, का भारतीय राजनीति में प्रवेश हुआ ताकि देश की बिगड़ी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाया जा सके।

मनमोहन सिंह 1991 से राज्यसभा के सदस्य रहे। 1998 से 2004 में वह राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे। मनमोहन सिंह ने प्रथम बार 72 वर्ष की उम्र में 22 मई 2004 से प्रधानमंत्री का कार्यकाल आरम्भ किया, जो अप्रैल 2009 में सफलता के साथ पूर्ण हुआ। इसके पश्चात् लोकसभा के चुनाव हुए और भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की अगुवाई वाला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन पुनः विजयी हुआ और सिंह दोबारा प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की दो बार बाईपास सर्जरी हुई थी। दूसरी बार फरवरी 2009 में विशेषज्ञ शल्य चिकित्सकों की टीम ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में इनकी शल्य–चिकित्सा की। प्रधानमंत्री सिंह ने वित्तमंत्री के रूप में पी. चिदम्बरम को अर्थव्यवस्था का दायित्व सौंपा था, जिसे उन्होंने कुशलता के साथ निभाया लेकिन 2009 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत में भी देखने को मिला। भारत की बैंकिंग व्यवस्था का आधार मजबूत होने के कारण उसे उतना नुकसान नहीं उठाना पड़ा, जितना अमेरिका और अन्य देशों को उठाना पड़ा है। 26 नवम्बर 2008 को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकियों ने हमला किया। दिल दहला देने वाले उस हमले ने देश को हिलाकर रख दिया था। तब सिंह ने शिवराज पाटिल को हटाकर पी. चिदम्बरम को गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी और प्रणव मुखर्जी को नया वित्त मंत्री बनाया। 1987 में उपरोक्त पद्म विभूषण के अतिरिक्त भारत के सार्वजनिक जीवन में डॉ० सिंह को अनेकों पुरस्कार व सम्मान मिल चुके हैं जिनमें प्रमुख हैं– 2002 में सर्वश्रेष्ठ सांसद, 1995 में इण्डियन साइंस कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार, 1993 और 1994 का एशिया मनी अवार्ड फॉर फाइनेन्स मिनिस्टर ऑफ द ईयर, 1994 का यूरो मनी अवार्ड फॉर द फाइनेन्स मिनिस्टर आफ द ईयर और 1956 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार।

डॉ० सिंह ने कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अपने राजनैतिक जीवन में वे 1991 से राज्य सभा के सांसद तो रहे ही, 1998 तथा 2004 की संसद में विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं। ¼fgQh½

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 31 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

अयोध्या महोत्सव में कन्यापूजन से बना विश्व कीर्तिमान

-15551 कन्याओं के पूजन का भी विश्व रिकार्ड अयोध्या महोत्सव के नाम
-सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्व को प्रदर्शित कर रहा अयोध्या महोत्सव

अयोध्या(एजेंसी)। अयोध्या महोत्सव में कन्यापूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें अयोध्या महोत्सव न्यास ने दुरदुरिया पूजन के बाद दूसरा विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह आयोजन अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्व को प्रदर्शित करने का एक अद्वितीय अवसर था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने किया। कन्या पूजन कार्यक्रम को अयोध्या की भव्यता से जोड़ा और कार्यक्रम आयोजन समिति की सराहना की।

अयोध्या महोत्सव न्यास के अध्यक्ष हरीश श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नारी सशक्तिकरण और समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में दो विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है, जिसमें पहला रिकॉर्ड दुरदुरिया पूजन व दूसरा विश्व रिकार्ड कन्या पूजन का है। जिसमें 15551 कन्याओं का पूजन कर एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन बनाया गया है। कन्या पूजन सनातन धर्म में आदिशक्ति का स्वरुप मान कर किया जाता है। यह आयोजन वेदमंत्रों के बीच सम्पन्न हुआ है जिससे पूरे परिवेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ है। यह कहना है कार्यक्रम संयोजिका ऋचा उपाध्याय का। बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल कन्याओं का सम्मान और पूजन करना था, बल्कि यह भी था कि समाज में कन्याओं के प्रति सम्मान और आदर की भावना को बढ़ावा देना। यह एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन था, जिसने सभी उपस्थित लोगों को एक नई ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। प्रांत प्रचारक ने कन्याओं पर पुष्प वर्षा करते हुए उनका विधि– विधान से पूजन किया। कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को एक नई दिशा और एक नई ऊर्जा से भर दिया। इस आयोजन के लिए सभी आयोजकों और उपस्थित लोगों को वर्ल्ड रिकार्ड यूनियन की टीम हेड शरीफा बानो ने बधाई दी। कहा कि यह एक सच्ची आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव था, जिसने सभी को एक नई दिशा और एक नई ऊर्जा से भर दिया। अयोध्या महोत्सव न्यास के अध्यक्ष हरीश श्रीवास्तव ने नारी सशक्तिकरण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि स्त्री को सृजन की शक्ति माना जाता है और इस सृजन की शक्ति को विकसित करके उनमें समाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व वैचारिक स्वतंत्रता के साथ समानता का अवसर प्रदान करना नारी सशक्तिकरण का आशय है। कहा कि नारी सशक्तिकरण की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि समाज में महिलाओं को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने बताया कि दुरदुरिया पूजन के बाद दूसरा विश्व रिकॉर्ड कन्यापूजन का बनाया गया है। यह आयोजन न केवल कन्याओं के सम्मान और पूजन के लिए आयोजित किया गया था, बल्कि यह भी था कि समाज में कन्याओं के प्रति सम्मान और आदर की भावना को बढ़ावा देना। जो कि न्यास के अध्यक्ष हरीश श्रीवास्तव व कार्यक्रम संयोजिका ऋचा उपाध्याय के अथक प्रयास का परिणाम है। इस दौरान तिरंगा अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक पंडित नरेश शर्मा की ओर से सभी 15551 कन्याओं को अगरबत्ती की पैकेट और डिटर्जेंट पाउडर भी वितरित किया गया। इस अवसर पर मिल्कीपुर विधानसभा के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, क्षेत्र संगठन मंत्री एकल विद्यालय ओम प्रकाश जी, महानगर प्रचारक सुदीप जी, वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक शांतनु जी, मनूचा डिग्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ मंजूषा मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख संघ के अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कैरियर काउंसलिंग मेले का हुआ आयोजन

अयोध्या(एजेंसी)। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत काउंसलिंग मेला का आयोजन बालिका इंटर कॉलेज अयोध्या में किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन कुमार तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण करके शुभारंभ किया गया। इस मेले में जनपद के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के समस्त छात्र–छात्राओं , विद्यालय के पंख नोडल प्रभारी एवं समस्त प्रधानाचार्य ने प्रतिभाग किया। इस कैरियर मेले के माध्यम से जनपद के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को भविष्य में अपने करियर से संबंधित योग्यताओं नौकरियां एवं रोजगार के बारे में जागरूक करने का कार्य किया गया । जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ० पवन कुमार तिवारी ने संबोधन करते हुए भविष्य में विभिन्न प्रकार की नौकरियों ,रोजगार एवं योग्यताओं के बारे में जानकारी दी गई एवं स्वयं संघर्ष करते हुए किस प्रकार से पीसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण किया कहानी के माध्यम से प्रेरणात्मक प्रसंग प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम में जनपद स्तर के अधिकारियों ने प्रतिभा किया विशिष्ट अतिथि के रूप में उप जिलाधिकारी सदर विकासधर दुबे ने पीसीएस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए मंत्र देते हुए छात्र –छात्राओं को संबोधित किया एवं छात्र–छात्राओं को अपना परिचय देते हुए किस प्रकार से पीसीएस परीक्षा में स्वयं सफल हुए इस संबंध में छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया । बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक ने भी अपने संबोधन मे बैंकिंग सेक्टर के विभिन्न प्रकार के नौकरियों के बारे में अवगत कराया गया एवं छात्र–छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों एवं विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया । जिला सेवायोजन अधिकारी अयोध्या द्वारा विभिन्न प्रकार के नौकरियां सेवायोजन विभाग के क्षेत्र में बताया गया तथा विभिन्न प्रकार के लिंक के बारे में छात्र–छात्राओं को जागरुक करते हुए लिंक के बारे में अवगत कराया गया । जिला उद्योग विभाग द्वारा उद्योग विभाग में विभिन्न प्रकार के नौकरियां एवं विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराते हुए जागरूक किया गया। पंख नोडल प्रभारी डॉ. बसन्त कुमार द्वारा कैरियर गाइडेंस मेला बारे में एवं उसके उद्देश्य के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया । जिला समाज शैलेश कुमार ने भी अपने संबोधन में जनपद स्तरीय करियर मेला के बारे में अवगत कराया गया । जनपद स्तरीय करियर मेले को प्रधानाचार्य अशोक सरोज, रामजी राय ,कंचन बेत्ता, तथा अन्य लोगों ने भी संबोधित किया ।

कुमारगंज विद्युत केंद्र में लगा 10 एमवीए ट्रांसफार्मर खराब, उपभोक्त परेशान

मिल्कीपुर–अयोध्या(एजेंसी)। विद्युत उपकेंद्र कुमारगंज में लगा 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर खराब होने से पिठला, सिधौना, कुमारगंज, खण्डासा और तुलशमपुर फीडर क्षेत्र के करीब 85 गांवों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। जिससे करीब 50,000 हजार आबादी वाले क्षेत्र के उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। विद्युत उपकेंद्र परिसर में लगे 10 एमवीए ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से उपभोक्ताओं के घरों में लगे विद्युत उपकरण भी पूरी तरह से ठप होते जा रहे हैं और लोग पानी नहीं भर पा रहे हैं। रात से ही उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मौर्य की निगरानी में मरम्मत का कार्य चल रहा है, लेकिन लखनऊ से आई टेक्निकल टीम भी अभी तक समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। उप खंड अधिकारी ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर में टेक्निकल कमी आई है और टेक्निकल टीम त्रुटि की जांच कर रही है। अधिशासी अभियन्ता विद्युत मिल्कीपुर विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि 10 एमवीए ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी कमी आ गई है, जिसके कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है। दूसरे ट्रांसफार्मर से दो–दो घंटे सभी फीडरो को सप्लाई दी जा रही है और जल्द ही खराब हुए ट्रांसफार्मर को ठीक कराकर विद्युत आपूर्ति बहाल की जाएगी। वहीं क्षेत्र के उपभोक्ता दिनेश कुमार, कैलाश नाथ, बद्री विशाल, तेजबली, डीपी तिवारी राम अनुज, प्रभाकर आकाश,सूरज, दीनानाथ समेत अन्य लोगों का कहना है कि अभी करीब दो माह पूर्व ही 10 एमवीए ट्रांसफार्मर को बदलवाया गया था फिर अब खराब हो गया है। विद्युत आपूर्ति के अनुसार ट्रांसफार्मर की क्षमता नहीं बढ़ाई जा रही है जिसके चलते ऐसी परेशानी है उपभोक्ताओं को झेलनी पड़ रही है।

आल इंडिया एथलेटिक्स इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में रूबी कश्यप ने जीता गोल्ड

-रूबी ने पहली बार व्यक्तिगत स्पर्धा में अविवि को गोल्ड दिलाकर रचा इतिहास
-कुलपति सहित अधिकारियों व शिक्षकों ने रूबी के गोल्ड जीतने पर बधाई दी

अयोध्या।(एजेंसी) डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी रूबी कश्यप ने भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस में आयोजित ऑल इंडिया एथलेटिक्स इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के पहले दिन 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान पाकर विश्वविद्यालय को गोल्ड मेडल दिलाया। इसी शानदार प्रदर्शन की बदौलत रूबी कश्यप ने खेलों इंडिया प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। इस प्रतियोगिता के टीम मैनेजर डॉ. सतीश श्रीवास्तव एवं कोच नीरज पटेल रहे। ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रूबी कश्यप के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी ने विश्वविद्यालय का गौरव एवं मान बढ़ाया है। यह उसके निरंतर खेल अभ्यास और तकनीकी दक्षता से संभव हुआ है। इस होनहार खिलाड़ी को विश्वविद्यालय सम्मानित करेगा। विवि क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के खेल इतिहास में यह पहला अवसर है कि अखिल भारतीय स्तर की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में किसी महिला खिलाड़ी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को अच्छी खेल सुविधाएं मिल रही है। इसके अलावा खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता की स्पोर्टस किट एवं रेल तथा बस में वातानुकूलित यात्रा की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे खिलाड़ियों में अपार हर्ष है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, कुलसचिव उमानाथ, कुलानुशासक प्रो. एस.एस. मिश्रा, प्रो. नीलम पाठक, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी, विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष जनमेजय तिवारी, महामंत्री प्रो. अमूल्य, कुमार सिंह, विश्वविद्यालय आवासीय परिसर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो.शैलेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. संग्राम सिंह, महामंत्री डॉ. राना रोहित सिंह, क्रीड़ा उप सचिव डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. विनय सिंह, डॉ. मनीष सिंह, प्रो. प्रवीन सिंह, प्रो. सन्तोष गौड़, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. सीमा पाण्डेय, डॉ. दुष्यंत सिंह, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ त्रिलोकी यादव, डॉ अर्जुन सिंह, डॉ. अयूब सिद्दीकी, कुमार मंगलम सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों ने महिला खिलाड़ी को बधाई दी।

विवादों की बुनियाद पर बेखबैफ चल रही है दुबई थीम प्रदर्शनी

मीरजापुर(एजेंसी)। नगर में चल रही दुबई थीम प्रदर्शनी में हर रोज मारपीट हो रही है. हालांकि शुरू से ही विवादों के सुर्खियों में छाए रहे दुबई थीम प्रदर्शनी पर सरकारी मुलाजिम मेहरबान बने हुए हैंताजा मामला मेले में झूला की स्पीड कम करने को लेकर हुए विवाद से जुड़ा हुआ होना बताया जा रहा है. बताया जा रहा है कि इस दौरान झूला ऑपरेटर ने महिलाओ से भी बत्तमीजी की है, जिससे महिला के साथ आए हुए लोग आक्रोशित हो उठे थे. फिर क्या था बत्तमीजी के बाद झूले पर ही मारपीट शुरू हो जाती है जिसका वीडियो वायरल हुआ है. लोगों का आरोप है कि देहात कोतवाली क्षेत्र के विंध्यवासिनी कालोनी में संचालित हो रहे दुबई थीम प्रदर्शनी में मेला संचालक ने बाउंसर पाल रखे हैं तो वहीं अधिकारियों के रहमो–करम करम पर चल रहे दुबई थीम पर मेला में अराजकता भरा माहौल होने से आसपास के लोग भी तस्त हैंबिना सुरक्षा मानकों के संचालित मेले पर कोई रोक नही होने से तरह–तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं. चर्चा इस बात की भी जोरों पर है कि मेले का इंश्योरेंस नही कराया गया है, ऐसे में कोई हादसा हो जाता है तो कौन जिम्मेदार होगा? दूसरी ओर मेले में आये दिन मारपीट की घटनाओं और सुरक्षा मानकों को लेकर कार्यवाही नही होने से जहां मेला संचालक पूरी तरह से बेपरवाह बने हुए हैं तों वहीं नए साल पर जबर्दश्त भीड़ की संभावना को देखते हुए असुरक्षा का भी भय बना हुआ है. लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो मेला संचालक की लापरवाही से कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है. दुबई थीम पर मेला में अराजकता भरा माहौल और भारी शोर–शराबे से विंध्यवासिनी कालोनी सहित आसपास के लोग भी तस्त हो उठें हैं. लोगों ने आवासीय कालोनी के बीच प्रदर्शनी के औचित्य पर भी सवाल उठाए हैं. लोगों का कहना है कि जब से प्रदर्शनी शुरू हुई है कालोनी के रहवासियों की नींद उचट गई है. बच्चों के पठन–पाठन से लेकर लोगों की दिनचर्या पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगा है. कालोनी की ओर आने वाले मार्ग से लेकर अंदर तक वाहनों के जाम से लोगों का आना जाना कठिन हो चला है. दुबई थीम प्रदर्शनी में कहने को तो धूम्रपान निषेध है, लेकिन प्रदर्शनी के अंदर गुटखा पान मसाला की सजी दुकानें लोगों को हैरत में डाल दे रही हैं कि आखिरकार यह क्या माजरा है? धूम्रपान निषेध के साथ जुर्माना लगाने का भी चेतावनी दी गई है, लेकिन गुटका तंबाकू पान मसाला की बिक्री बेखबैफ की जा रही है।

नियोजन एवं विकास समिति की हुई बैठक

-श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद से 98 करोड़ की 23 परियोजनाओं की मिली है स्वी×ति

अयोध्या(एजेंसी)। श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद की सहायता हेतु गठित नियोजन एवं विकास समिति की बैठक मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी, जिसमें जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, समिति के सदस्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर, सीo ईoओo तीर्थ विकास परिषद संतोष कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पांडेय सहित अन्य समिति के सदस्यउपस्थित रहे। सीईओ श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा लगभग 98 करोड़ की लागत वाली कुल 23 परियोजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसमें 10 परियोजनाओं की डीoपीoआरo शासन द्वारा स्वीकृति हो चुके है शेष प्रक्रियाधीन है। मण्डलायुक्त ने अयोध्या में राम की पैड़ी पर दर्शकदीर्घा (विजिटल गैलरीध सेल्फी प्वाइंट) एवं पर्यटन सुविधाओं के कराये जाने वाले कार्यो के सम्बंधा में सम्बंधित आर्केटेक से कहा कि कार्यो की ऐसी योजना बनायी जाय कि पैड़ी के दिखने वाले भाग बहुत ही उत्कृष्ट लगे तथा राम की पैड़ी पर लगी प्रकाश हेतु सभी लाईटों की कमाण्ड एक स्थान से हों। इस दौरान उन्होने कहा कि परिषद द्वारा प्रस्तावित समस्त कार्यो में आवश्यक रूप से सीसीटीवी व पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रावधान भी सुनिश्चित किया जाय। शासन द्वारा स्वीकृति श्रृंगी ऋषि आश्रम में कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्यो की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि श्रृंगी ऋषि आश्रम पर घाट के समानांतर बैठने हेतु बेंचो तथा कैफेटेरिया और आवश्यकतानुसार शौचालयों का भी प्रावधान किया जाय। इसी प्रकार जनपद के अमानीगंज ब्लाक अंतर्गत रामपट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम के पर्यटन विकास हेतु कराये जाने वाले कार्यो के सम्बंध में उन्होंने कहा कि गहनाग बाबा मंदिर सहित सभी परियोजनाओं में कहीं भी इंटरलॉकिंग ईट का प्रावधान न हों तथा डेकोरेटिंग स्ट्रीट लाइट के खंभे हो यह सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि प्राचीन मंदिरोंआश्रमों की जीर्णोद्धार के समय यह विशेष रूप से ध्यान दिया जाय कि उसके आधारभूत संरचना बनी रहे ताकि उनकी प्राचीन महत्ता को संरक्षित किया जा सकें। इस दौरान अयोध्या स्थित कौशलेस सदन, भास्कर भवन, संत निवास, ठाकुर राम जानकी नाई पंचायती मंदिर, आचार्य नरेन्द्र देव के परिक्षेत्र में स्थित गुलाबबाड़ी पार्क के सौन्दर्यीकरण एवं गुप्तारघाट के सामने यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत बेंच प्रकाश व्यवस्था सहित स्वीकृति 23 परियोजनाओं के प्रस्तावित कार्यो पर चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त समिति द्वारा कुल 05 एजेंडा बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सीo ईoओo अयोध्या तीर्थ विकास परिषद द्वारा बिन्दुवार विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में डीएफओ प्रणव जैन, संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी व जनपद के नगर निकायों के अध्यक्ष सहित अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

शव दफन करने को लेकर दो वर्ग हुए आमने-सामने, मौके पर पुलिस बल तैनात

मीरजापुर(एजेंसी)। जिले में शव दफन करने को लेकर दो समुदायों के बीच हुई कहासुनी के बाद तनाव व्याप्त हो गया है। मौके की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर अधिकारियों ने गांव में डेरा डाल रखा है। एक वर्ग के लोगों का कहना है कि मंदिर की जमीन पर विशेष समुदाय के लोग शव दफन कर रहे थे। विशेष समुदाय के लोग जबरन शव दफन करने पहुंचे थे। शव दफन करने के लिए गड्ढा खोदते समय विवाद होना बताया जा रहा है। उधर जैसे ही शव दफन करने के लिए गड्ढा खोदने की सूचना पर मौके पर काफी संख्या में हिन्दू समाज के लोग भी पहुंच गए थें। जहां शव दफनाने को लेकर हिंदू समाज के लोगों ने विरोध किया तो कहासुनी शुरू हो गई थी। बाद में सूचना होने पर पुलिस प्रशासन के भी हाथ–पांव फूलने लगे थें, दो समुदायों के बीच बढ़ते तनाव को देखते पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद है। मामला अहरौरा थाना क्षेत्र के मदारपुर गांव का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना अंतर्गत मदारपुर गांव में सद्दाम हुसैन पुत्र निजामुद्दीन 20 वर्ष की बीमारी की वजह से मौत हो गई थी। जहां रीति रिवाज के अनुसार शव को दफनाने के लिए गड्ढा खोदा जा रहा कि जानकारी होने पर दूसरे वर्ग के लोगों ने मौके पर पहुंच कर गड्ढा खोदने से रोकने लगें थे। एक पक्ष द्वारा जिसे कब्रिस्तान बताया जा रहा है उसी के समीप हनुमान जी की मूर्ति पेड़ के नीचे है। ऐसे में दोनों वर्गों का अपना–अपना पक्ष रखा जा रहा है।मजे की बात तो यह है कि जिस जमीन पर दोनों वर्ग अपना होना बता रहे हैं वह कब्रिस्तान और मूर्ति बंजर जमीन पर स्थित है। इस संदर्भ में बताया गया है किजमीन ग्राम सभा की बंजर भूमि है। मुस्लिम समुदाय के लोग उस जमीन पर बहुत पहले से ही शव दफन कर रहे हैं। हिंदू समुदाय का भी उसी जमीन पर बगल में चौरी (पूजा स्थल) बना हुआ हैध। गांव में पिछड़े जाति यादव बिरादरी से प्रधान है जिस पर अन्य बिरादरी के लोग इधर कुछ दिनों से बात विवाद कर रहे हैं। सारा मामला प्रधानी के चुनाव को लेकर है, इस मामले के बहाने मामले को हवा दिया जा रहा है। दूसरी ओर चुनार तहसील प्रशासन का कहना है कि जब तक इस मामले का हल नहीं होता है, तब तक शव किसी अन्य कब्रिस्तान में दफन कर लें। फिलहाल, तहसील प्रशासन के इस फैसले पर मुस्लिम पक्ष राजी नहीं हुआ है। मौके पर अभी तक कोई निर्णय नहीं निकला है। मृतक का शव घर पर ही मौजूद है। फिलहाल गांव में तनाव कि स्थिति बनी हुई हैध मौके पर पुलिस बल के साथ ही अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति बनी हुई है।

महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत मां विन्ध्यवासिनी परिसर में आयोजित किया गया माक अभ्यास

मीरजापुर(एजेंसी)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देशन में तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) शिव प्रताप शुक्ल के मार्ग दर्शन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के सुरक्षा के दृष्टिगत विभिन्न विभागों कि तैयारीयों कि परख हेतु मां विंध्यवासिनी धाम, विन्ध्याचल में एक मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा अवगत कराया गया की आयोजित मॉक अभ्यास को महाकुंभ–2025 के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा जारी दिशा निर्देशिका के अनुसार आयोजित कराया गया है स मॉक अभ्यास प्रारंभ होने के पूर्व मंदिर परिसर में यह अनाउंसमेंट करवा दी गई थी कि मॉक अभ्यास का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है तथा इसको सिर्फ प्रशासनिक तैयारी की परख हेतु आयोजित किया गया है। आयोजित मॉक अभ्यास में तीन सिनेरियो क्रमशः डूबना, अग्निकांड और भगदड़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य पर कार्यवाही की गई थी। सर्वप्रथम पक्का घाट विंध्याचल पर यह दर्शाया गया की कुछ लोग नदी में नहाने के दौरान डूब रहे हैं तथा उन डूबते हुए लोगों का विंध्याचल में तैनात राज्य आपदा मोचक बल कि टुकड़ी के द्वारा बचाव किया गया। उक्त सिनेरियो के बाद मंदिर में दिया जलाये जाने वाले स्थान पर आग लग जाने के कारण भगदड़ होने का एक दोहरा सिनेरियो रखा गया, जिसमें कि विभिन्न विभागों ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस मॉक अभ्यास में सिटी मजिस्ट्रेट लाल बहादुर, क्षेत्राधिकार शहर विवेक जावला एवं उनकी टीम, फायर सेफ्टी ऑफिसर अनिल प्रताप सरोज एवं अग्निशमन विभाग की टीम, एसडीआरएफ टीम प्रभारी अनुपम कुमार एवं उनकी टीम, चिकित्सा विभाग की टीम, विद्युत विभाग की टीम, राज्य निर्माण निगम की टीम, एसओ विंध्याचल अमित कुमार जिला आपदा विशेषज्ञ अंकुर गुप्ता, प्रधान सहायक कलेक्ट्रेट अनूप संतु वाला एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

अलग-अलग गांवों में पागल कुत्ते का आतंक 16 लोगों को काटा, फैली दहशत

मीरजापुर(एजेंसी)। जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के अलग–अलग गांवों में पागल कुत्ते ने 16 लोगों को काट कर दहशत फैला दिया है। सभी घायलों को राजगढ़ अस्पताल पर रैबीज का इंजेक्शन लगवाया गया। जिसमें एक व्यक्ति के ज्यादा जख्मी होने पर उसे सर्जरी करना पड़ा है। सभी घायलों को इलाज कर घर के लिए छोड़ दिया गया। जानकारी के मुताबिक राजगढ़ थाना क्षेत्र के करौंदा गांव निवासी विनोद पटेल 51 वर्ष शुक्रवार की सुबह शौच करने के लिए गए थे, लौटते समय एक पागल कुत्ते ने उनके हाथ और पैर में काट लिया। बहुत प्रयास करने और ग्रामीणों के दौड़ने पर कुत्ते ने छोड़ा और वह झाड़ियां में भाग गया। इसी प्रकार सोनभद्र जनपद के बिसहार गांव की किरण 10 वर्ष, प्रीति 13 वर्ष, सूरज 4 वर्ष, मैना डेढ़ वर्ष अपने घर के सामने खेल रहे थे।

गरीबों, वंचितों की आवाज उठाते हैं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर : राजन पांडेय

अयोध्या(एजेंसी)। चर्चित समाजसेवी राजन पांडेय के आवास पर शुक्रवार को सुभासपा के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बैठक हुई।जहां प्रदेश के कैबिनेट पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर के कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी राजन पांडेय को सौंपी गई है। 30 दिसंबर को मिल्कीपुर के दरबारी लाल महाविद्यालय कलुआमऊ में आयोजित जनसभा के मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री शिरकत करेंगे। जनसभा के बाद कैबिनेट मंत्री समाजसेवी राजन पांडेय के आवास पर जलपान करके लोगों से मिलकर लखनऊ के लिए रवाना होंगे। समाजसेवी ने कहा कि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर हमेशा से गरीबों के हक की आवाज को बेबाकी निडरता से रखते हैं। उनके सम्मान की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ते हैं। यही इनकी खासियत के कारण लोग तेजी से सुभासपा से जुड़ रहे हैं। कहा कि ओम प्रकाश राजभर सामान्य वर्ग, पिछड़ावर्ग, दलित, मुस्लिम सबको साथ लेकर चलते हैं। अफसरों को भी हिदायत देते रहते हैं। राजन पांडेय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने पुत्र अमित पांडेय, अंकित पांडेय जिला पंचायत सदस्य, अर्पित पांडेय के साथ दर्जन भर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है।

बाक्सिंग-डे टेस्टः यशस्वी जायसवाल आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने दूसरे शतक से चूके

मेलबर्न,। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 के चौथे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शतक बनाने से चूक गए।वह 82 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यशस्वी कंगारू टीम के खिलाफ दूसरे शतक की ओर बढ़ रहे थे तभी वह दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हुए हो गए।इस बीच उन्होंने विराट कोहली के साथ 102 रन जोड़े। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

मेलबर्न के मैदान पर भारतीय टीम को शुरुआती झटके लगे। हालांकि, एक छोर से यशस्वी ने टिककर बल्लेबाजी की। उन्होंने 118 गेंदों का सामना किया और 82 रन बनाए। उनके बल्ले से 11 चौके और 1 छक्का निकला। उनके टेस्ट करियर का 9वां अर्धशतक रहा।भारतीय टीम का पहला झटका 8 रन पर लगा था। इसके बाद उन्होंने केएल राहुल के साथ 43 रन की साझेदारी निभाई।कोहली के साथ यशस्वी ने 157 गेंदों में 102 रन जोड़े।

साल 2024 में जायसवाल ने 11 बार 50 के स्कोर बनाए हैं। वह 1 साल में सबसे ज्यादा 50 का स्कोर बनाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने हैं।उन्होंने इस मालमे में मोहिंदर अमरनाथ (1983) और गुंडप्पा विश्वनाथ (1979) की बराबरी की है।सचिन तेंदुलकर (2010) और सुनील गावस्कर (1976) एक कैलेंडर वर्ष में 12 बार यह कारनामा किया है।वीरेंद्र सहवाग (2010) 13 बार 50 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर हैं।

यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 45.83 की औसत के साथ 275 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाया है। वह इस सीरीज में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।सीरीज के पहले टेस्ट में उन्होंने 161 रन की शानदार पारी खेली थी। पर्थ में खेले गए उस मुकाबले में भारतीय टीम को जीत मिली थी।उसके बाद यशस्वी का बल्ला कुछ खास नहीं चला था।

यशस्वी ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2023 में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 18 टेस्ट मैच खेले हैं। इसकी 33 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 1,682 रन बनाने में सफल रहे हैं।उनके बल्ले से 4 शतक और 9 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214' रन रहा है।यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा रन (712) इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाए हैं।

रोहित के आउट होने पर पोंटिंग ने कहा, आपको तैयार रहना चाहिए

मेलबर्न,। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस की गेंद पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा द्वारा खेले गए शांत शॉट की आलोचना करते हुए कहा कि मजबूत गेंदबाजी लाइन–अप का सामना करते समय आपको तैयार रहना चाहिए और अच्छे निर्णय लेने चाहिए।

श्रृंखला में पहली बार बल्लेबाजी की शुरुआत करने का रोहित का कदम उल्टा पड़ गया, जब उन्होंने कमिंस की गेंद पर एक पैर पर आधा–अधूरा पुल शॉट खेला और दूसरे ओवर में मिड–ऑन पर गेंद का ऊपरी किनारा आसानी से कैच हो गया और वे तीन रन पर आउट हो गए। इस आउट होने के साथ ही रोहित की इस श्रृंखला में रनों की संख्या 22 हो गई, जिससे इस साल टेस्ट मैचों में उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा।

यह बस एक आलसी, बिना सोचे–समझे, पल भर के लिए तैयार न होने वाला शॉट है। अपने डेब्यू के बाद से ही वह गेंद के सबसे अच्छे हुकर और पुलर के रूप में जाने जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, यह कुछ भी नहीं है। यह प्रतिबद्ध नहीं है। यह आक्रामक नहीं लग रहा है। वह बस सिर पर टैप करने की कोशिश कर रहा है।

चौनल सेवन पर पोंटिंग ने कहा, विकेट पर टिके रह सकते हैं, हां, शायद थोड़ा सीम उनसे दूर हो सकता है, लेकिन अगर आप इस ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के खिलाफ टिके रहना चाहते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार आपको हरा देंगे।

रोहित के शॉट के चयन के लिए इसी तरह की आलोचना ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने भी की। उन्होंने एबीसी स्पोर्ट पर कहा, अगर वह हिट करने जा रहे हैं, तो हिट करें रोहित। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी रोहित की आलसी आउटिंग के लिए आलोचना की। यह वाकई बहुत बड़ी गलती है... यह कोई बेकार शॉट नहीं था। उन्होंने पारी की शुरुआत में ही शॉट मारा और उन्हें गति और उछाल की आदत नहीं है। भारतीय कप्तान के लिए यह दुखद स्थिति है, पिछली 14 टेस्ट पारियों में उनका औसत 11 रहा है।

रोहित, राहुल के शुरुआती झटकों से उबरा भारत, टी के बाद स्कोर 153ध्2

मेलबर्न, 27 दिसम्बर। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे बार्डर–गावस्कर ट्राफी के चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने टी टाइम के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 153 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम अभी भी आस्ट्रेलिया के 474 रन से 321 रन पीछे है।आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने भारतीय पारी शुरू होने के बाद जल्दी ही कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का विकेट चटकाकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। रोहित ने पारी के दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर कमिंस की गेंद पर स्कॉट बोलैंड के हाथों कैच होने से पहले 5 गेंदों पर 3 रन बनाए। उस समय भारत का स्कोर 8 रन था।इसके बाद भारत को 51 रन के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गिरा। राहुल कमिंस की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने आउट होने से पहले 42 गेंदों पर 24 रन बनाए।

फिलहाल यशस्वी जायसवाल आक्रामक अंदाज में 82 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाया है। साथ ही उनके साथ विराट कोहली 35 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। भारत को फॉलोआन बचाने के लिए अभी भी 122 रन की जरूरत है। फॉलोआन स्कोर 275 रन है।भारत की पारी की शुरुआत खराब रही क्योंकि रोहित ने सीरीज में पहली बार बल्लेबाजी की शुरुआत की, उन्होंने कमिंस की गेंद पर एक पैर पर आधा–अधूरा पुल खेला और टॉप–एज आसानी से मिड–ऑन पर कैच हो गया और वह तीन रन पर आउट हो गए।इस आउट होने के बाद रोहित के रन की संख्या इस सीरीज में 22 हो गई, जिससे इस साल टेस्ट मैचों में उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा। इसके बाद, जायसवाल ने कमिंस की गेंदों पर बाउंड्री लगाते हुए संयम दिखाया। दूसरी ओर, राहुल ने गजब का संयम दिखाया और तीन आकर्षक चौके लगाकर सेशन को यादगार बना दिया।

जैसे ही भारत सत्र को जीत के साथ समाप्त करने की ओर अग्रसर हुआ, कमिंस ने एक शानदार गेंद डाली – ऑफ स्टंप पर डाली गई एक फुल–बॉल, जो राहुल के बल्ले के पास से सीम होकर ऑफ स्टंप के ऊपर जा लगी और बल्लेबाज को 42 गेंदों पर 24 रन बनाकर पवेलियन भेज दिया।इससे पहले, स्टीव स्मिथ ने 140 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना 34वां टेस्ट शतक पूरा किया। उनके शतक के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन का विशाल स्कोर बनाया। उन्हें कमिंस (49) और मिशेल स्टार्क (15) से भी बहुमूल्य समर्थन मिला, जिन्होंने क्रमशरू 112 और 44 रन की साझेदारियां कीं, जिससे मेजबान टीम ने मेहमान टीम के गेंदबाजी लाइन–अप को कमजोर कर दिया।

स्कॉट बोलैंड ने एलबीडब्लू के फैसलों को पलटने के लिए दो बार रिव्यू का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया, जिसके बाद जडेजा ने नाथन लियोन को एलबीडब्लू आउट करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को 122.4 ओवर में समाप्त कर दिया, हालांकि सत्र के अंत में मेजबान टीम फिर से ज़्यादा खुश थी।

संक्षिप्त स्कोररू ऑस्ट्रेलिया 122.4 ओवर में 474 रन (स्टीव स्मिथ 140, मार्नस लाबुशेन 72य जसप्रीत बुमराह 4–99, रवींद्र जडेजा 3–78), भारत 405 ओवर में 153ध्2 (केएल राहुल 24, यशस्वी जायसवाल 82 नाबादय पैट कमिंस 2–57)।

एचआईएल : हरमनप्रीत को सूरमा हाकी क्लब का कप्तान बनाया गया

राउरकेला,। सूरमा हॉकी क्लब ने 28 दिसंबर से राउरकेला में शुरू होने वाले हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सीजन के लिए दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह को कप्तान घोषित किया है।

अर्जुन पुरस्कार विजेता और दो बार एफआईएच बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर रह चुके हरमनप्रीत ने पंजाब और हरियाणा स्थित फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। दिग्गज ड्रैग–फ्लिकर ने कहा, मैं इस अविश्वसनीय टीम का नेतृत्व करने और ऐसे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं जो मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। यह एक विशेषाधिकार और सम्मान है।

उन्होंने चंडीगढ़ के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में सफल प्री–सीजन कैंप के बाद टीम की तैयारी और सौहार्द पर भी प्रकाश डाला। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान ने कहा, हमारे पास एक मजबूत टीम है, जो शिविर के दौरान अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। हममें से कई लोग सालों से एक साथ खेल रहे हैं और हमारे पास कुछ रोमांचक युवा प्रतिभाएं और अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है – ट्रॉफी जीतना।

सूरमा हॉकी क्लब के मुख्य कोच जेरोन बार्ट ने हरमनप्रीत के नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान के रूप में हरमनप्रीत का अनुभव, दबाव में उनका संयम और भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों से मिलने वाला सम्मान उन्हें टीम का नेतृत्व करने के लिए एकदम सही विकल्प बनाता है। हम उन्हें इस सीजन में टीम का मार्गदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं।

उल्लेखनीय रूप से, टीम में भारतीय सितारे विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, सुमीत लाकड़ा और मोहित एचएस के साथ–साथ ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग–फ्लिकर जेसी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पॉसलेट और विक्टर वेगनेज, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोलकीपर विन्सेंट वानाश, डच स्ट्राइकर बोरिस बर्कहार्ट और अर्जेंटीना के मिडफील्डर निकोलस डेला टोरे जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाएं शामिल हैं।

सूरमा हॉकी क्लब अपने पहले अभियान की शुरुआत 29 दिसंबर को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में तमिलनाडु ड्रैग्न्स के खिलाफ करेगा।

दीप्ति शर्मा ने तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज के खिलाफ चटकाए 6 विकेट, हासिल की ये उपलब्धि

नईदिल्ली,। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर दीप्ति शर्मा ने वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे वनडे में 6 विकेट लिए।उनकी उम्दा गेंदबाजी के सामने कैरिबियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन पर सिमट गई।यह वनडे में उनका तीसरा 5 विकेट हॉल रहा।इसके साथ ही दीप्ति 3 बार वनडे में 5 विकेट हॉल लेने वाली पहली भारतीय महिला गेंदबाज बनी हैं।आइए उनकी गेंदबाजी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

दीप्ति ने अपने 10 ओवर में 3.10 की इकॉनमी रेट के साथ 31 रन देते हुए 6 सफलताएं हासिल की। इस बीच उन्होंने 3 ओवर मेडन भी किए।इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने वेस्टइंडीज की शेमाइन कैंपबेल, चिनेले हेनरी, जैदा जेम्स, आलियाह एलीने, अफी फ्लेचर और अश्मिनी मुनिसर के विकेट चटकाए।उनके अलावा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने 9.5 ओवर में 29 रन देते हुए 4 सफलताएं हासिल की।

दीप्ति भारत की ओर से सर्वाधिक 5 विकेट हॉल लेने वाली महिला गेंदबाज बनी हैं।उन्होंने इस मामले में झूलन गोस्वामी, नीतू डेविड और एकता बिष्ट को पीछे छोड़ा है। बता दें कि इन भारतीय गेंदबाजों ने 2–2 बार 5 हॉल लिए थे।इसके साथ–साथ दीप्ति भारत की ओर से सिर्फ दूसरी ऐसी गेंदबाज (पुरुष और महिलाओं दोनों में) बनी हैं, जिन्होंने एक से अधिक बार 6 विकेट लिए हैं। उनके अलावा आशीष नेहरा ऐसा कर चुके हैं।

दीप्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने वनडे करियर का आगाज किया था।उन्होंने 98 मैचों की 97 पारियों में 27.39 की औसत के साथ कुल 123 विकेट लिए हैं। वह 3 बार 5 विकेट हॉल ले चुकी हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6ध20 है।बल्लेबाजी में उन्होंने 33.93 की औसत के साथ 2,104 रन बनाए हैं। इस बीच वह 188 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 1 शतक और 12 अर्धशतक भी लगा चुकी हैं।दीप्ति वनडे में भारत के लिए तीसरी सर्वाधिक विकेट वाली महिला गेंदबाज हैं। उनसे आगे इस सूची में झूलन (255) और नीतू (141) हैं। बता दें कि झूलन वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली महिला गेंदबाज भी हैं।

एलन मस्क ने Wikipedia को दिया शानदार आफर, जानें पूरा क्या है मामला

वर्तमान में विकीपीडिया से जानकारी फ्री में मिल जाती है। जानकारी हासिल करने के लिए अब कुछ पैसों का भुगतान करना पड़ सकता है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क पर इसकी नजर है। विकिपीडिया के भविष्य को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे है।

किसी भी तरह की जानकारी पाने के लिए लोग सबसे पहले विकीपीडिया का आसरा लेते है। ये एक तरह का ऑनलाइन इनसाक्लोपीडिया है, जहां से यूजर्स को जरुरत की जानकारी मिलती है। मगर हो सकता है कि कुछ दिनों में फटाफट से ये जानकारी फ्री में नहीं मिल सके। जल्द ही ये फ्री सर्विस अब पैसों के जरिए मिल सकती है।

बता दें कि वर्तमान में विकीपीडिया से जानकारी फ्री में मिल जाती है। जानकारी हासिल करने के लिए अब कुछ पैसों का भुगतान करना पड़ सकता है। जानकारी के मुताबिक दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क पर इसकी नजर है। विकिपीडिया के भविष्य को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे है।

ये हो सकता है नया नाम

एलन मस्क ने विकिपीडिया की बोली लगाई है। जानकारी के मुताबिक एलन मस्क ने विकिपीडिया को खरीदने के लिए एक अरब डॉलर की बोली लगाई है। माना जा रहा है कि अगर ये सौदा होता है को विकिपीडिया का नाम भी बदला जा सकता है। विकिपीडिया का नाम बदलकर डिकिपीडिया रखा जा सकता है। हालांकि ये भी खबरें हैं कि विकिपीडिया ने एलन मस्क के ऑफर को ठुकरा दिया है।

हालांकि शुरुआत में एलन मस्क ने ट्विटर को भी ऑफर दिया था, जो उसने अस्वीकार किया था। मगर बाद में ट्विटर का अधिग्रहण कर लिया था। ट्विटर को एलन मस्क के आगे झुकना पड़ा था। ट्विटर ने खुद को बेच दिया था। इसके बाद एलन मस्क ने ट्विटर का नाम बदलकर एक्स लिखा था। इसमें कई भुगतान संबंधित सेवाएं लगाई गई थी।

जनवरी में 15 दिन तक नहीं होगा बैंक का काम, होने वाली हैं इतनी छुट्टियां

जनवरी में कुल 15 दिनों के लिए बैंक बंद रहने वाला है। इस दौरान दूसरे और चौथे शनिवार के साथ हरेक हफ्ते के साप्ताहिक अवकाश रविवार के दिन भी शामिल है। जनवरी में एक जनवरी को ही कई बैंकों में छुट्टी रहने वाली है जो कि नए साल के लिए होगी।नया साल 2025 जल्द ही शुरू होने वाला है। जनवरी के महीने में इस बार कई दिनों के लिए बैंक बंद रहने वाला है। जनवरी में कितने दिनों के लिए बैंक बंद रहेंगे ये जानना काफी जरुरी है ताकि बैंक बंद होने के कारण परेशानी ना हो। आप पहले ही अपने बैंक संबंधित कामों को निपटा लें।जानकारी के मुताबिक जनवरी में कुल 15 दिनों के लिए बैंक बंद रहने वाला है। इस दौरान दूसरे और चौथे शनिवार के साथ हरेक हफ्ते के साप्ताहिक अवकाश रविवार के दिन भी शामिल है। जनवरी में एक जनवरी को ही कई बैंकों में छुट्टी रहने वाली है जो कि नए साल के लिए होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जनवरी में बैंक कुल 15 दिनों के लिए बंद रहने वाले है। हालांकि प्रभा साक्षी इस सूची की पुष्टी नहीं करता है। हालांकि अलग अलग बैंकों की छुट्टी अलग अलग हो सकती है। राज्यों में भी बैंकों की छुट्टियां अलग हो सकती है।

ये है बैंक की छुट्टियां

1 जनवरीरू नया साल
2 जनवरीरू मन्नम जयंती
5 जनवरीरू रविवार
6 जनवरीरू गुरु गोबिंद सिंह जयंती
11 जनवरीरू दूसरा शनिवार
12 जनवरीरू रविवार और स्वामी विवेकानन्द जयंती
14 जनवरीरू मकर संक्रांति और पोंगल
15 जनवरीरू तिरुवल्लुवर दिवस, माघ बिहू और मकर संक्रांति
16 जनवरीरू उज्जवर तिरुनल
19 जनवरीरू रविवार
22 जनवरीरू इमोइन
23 जनवरीरू नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती
25 जनवरीरू चौथा शनिवार
26 जनवरीरू गणतंत्र दिवस
30 जनवरीरू सोनम लोसर

बता दें कि अब तक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अवकाश की लिस्ट की जानकारी नहीं दी है।

बाक्सिंग-डे टेस्टः जसप्रीत बुमराह ने झटके 4 विकेट, ये बनाए रिकार्ड्स

मेलबर्न,। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी–2024 के चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए हैं।बुमराह के अलावा रविंद्र जडेजा के खाते में 3 विकेट आए। बुमराह इस सीरीज में कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं।कंगारू टीम की पहली पारी 474 रन पर समाप्त हुई। स्टीव स्मिथ ने 140 रन की पारी खेली।ऐसे में बुमराह के आंकड़ों पर एक नजर डालते है।बुमराह ने 28.4 ओवर गेंदबाजी की और 9 मेडन ओवर के साथ 99 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने उस्मान ख्वाजा (57), ट्रेविस हेड (0), मिचेल मार्श (4) और नाथन लियोन (13) को अपना शिकार बनाया।बुमराह ने 7वीं बार 4 विकेट हॉल लिया है।इस सीरीज में बुमराह ने 4 टेस्ट की 7 पारियों में 13.12 की औसत स 25 विकेट झटके है। उन्होंने 2 बार 4 विकेट हॉल और 2 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं।

बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इशांत शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। इशांत ने अपने करियर में 434 विकेट लिए हैं। बुमराह के 436 अंतरराष्ट्रीय विकेट हो गए हैं।मार्श को आउट कर बुमराह ने यह उपलब्धि हासिल की।भारतीय तेज गेंदबाजों में उनसे आगे सिर्फ कपिल देव (687), जहीर खान (597), जवागल श्रीनाथ (551) और मोहम्मद शमी (448) हैं। बुमराह ने अब तक 203 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं।

बुमराह मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा है।इस प्रतिष्ठित मैदान पर बुमराह ने 3 टेस्ट की 5 पारियों में 15.52 की औसत से 19 विकेट लिए हैं। उन्होंने 1 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किया है।कुंबले ने 6 पारियों में 37 की औसत से 15 विकेट झटके थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6ध176 का रहा था।बुमराह ने अब तक 44 टेस्ट खेले हैं। इसकी 84 पारियों में 19.63 की औसत से 198 विकेट झटके हैं। उन्होंने 12 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6ध27 का रहा है।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुमराह ने 11 टेस्ट मैच खेले हैं। इसकी 21 पारियों में 17.68 की औसत से 57 विकेट लिए हैं। उन्होंने 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं।बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी विकेट उनके ही सरजमीं पर लिए हैं।

००

शर्मिला ने फिल्म दोस्ताना की यादें ताजा कीं

iराने जमाने की दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर आज भी फिल्मों में एक्टिव हैं। साल 1964 में आई फिल्म कश्मीर की कली से शर्मिला टैगोर ने हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। आज छह दशक बाद भी शर्मिला फिल्मों में एक्टिंग कर रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने अपनी 44 साल पुरानी फिल्म दोस्ताना और उसके को–स्टार शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर कुछ मजेदार खुलासे किये हैं। शर्मिला टैगोर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने को–स्टार शत्रुघ्न सिन्हा की अच्छी बुरी बातों पर खुलासा किया है और साथ ही बताया है कि उनके ऐसा करने से फिल्म सेट पर क्या–क्या होता था।

दरअसल, फिल्म दोस्ताना (1980) में शर्मिला टैगोर ने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम किया था। फिल्म में अमिताभ बच्चन, शशि कपूर और जीनत अमान भी थीं। वहीं, शर्मिला ने शत्रुघ्न सिन्हा पर बताया कि वह सेट पर अमिताभ और शशि कपूर से बिल्कुल अलग थे। शत्रुघ्न सिन्हा की इन दोनों स्टार से आदतें बिल्कुल अलग थीं। शत्रुघ्न सिन्हा सेट पर देरी से आते थे और अमिताभ व शशि कपूर हमेशा टाइम पर पहुंचते थे। शर्मिला ने कहा, शत्रुघ्न सिन्हा में जल्दी पहुंचने वाली आदत नहीं है, वो बायोलॉजिकल ही ऐसे हैं, वो अपनी शादी तक में देरी से पहुंचे थे। अमिताभ जाते शत्रुघ्न आते शर्मिला ने आगे बताया, दोस्ताना का शेड्यूल सुबह 7 से 2 बजे तक का था, अमिताभ 2 बजे सेट से जाते थे और ठीक उनके बाद शत्रुघ्न सिन्हा की गाड़ी अंदर आती थी, इसके चलते जीनत को इनके हिसाब से अपना शेड्यूल तय करवाना पड़ा था। शर्मिला ने बताया कि फिल्म में अमिताभ, शशि और शत्रुघ्न सिन्हा के एक साथ बहुत कम सीन थे। वहीं, शर्मिला ने मजा किया अंदाज में कहा कि दोस्ताना को बनाते समय और इन तीनों एक्टर्स को संभालने में डायरेक्टर राज खोसला के सारे बाल झड़ गए थे। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म में तीनों को एक साथ दिखाने के लिए डायरेक्टर को बॉडी डबल का इस्तेमाल करना पड़ा रहा था। ¼fgQh

माधुरी दीक्षित ने झटक दिया था सलमान खान का हाथ

fgदी सिनेमा की आइकॉनिक फैमिली ड्रामा फिल्म हम आपके हैं कौन को अब 30 साल हो चुके हैं, लेकिन फिल्म का एक–एक सीन और इसके शानदार गाने आज भी लोगों के जहन में जिंदा हैं। जब भी फैमिली ड्रामा फिल्म की बात चलती है, तो सलमान खान और माधुरी दीक्षित की फिल्म हम आपके हैं कौन का नाम लिस्ट में टॉप पर आता है। अब हम आपके हैं कौन से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सलमान खान और माधुरी को एक डांस सीन शूट करते देखा जा रहा है। इस सीन में शूट खत्म होने के बाद माधुरी अपना हाथ झटकते दिख रही हैं।

इस वायरल वीडियो में सलमान खान और माधुरी दीक्षित एक धुन पर कभी एक–दूजे को देख नाच रहे हैं, तो कभी–कभी हाथों में हाथ डाल मटक रहे हैं। यह सीन दो शॉट में होता देखा जा रहा है, जैसे ही यह सीन खत्म होता है, माधुरी को गुस्से में अपना हाथ झटकते हुए देखा जाता है। इसके बाद सलमान खान उसी स्टेप में स्टेचू की तरह खड़े रहते हैं और फिर उनके हाथ में फिल्म में नौकर के रोल में दिखे लल्लू (लक्ष्मीकांत बेर्डे) अपना हाथ डाल देते हैं और जब सलमान को होश आता है, तब वो लल्लू को देख शॉक्ड हो जाते हैं। अब इस वायरल वीडियो पर कमेंट्स की बाढ़ आ रखी है। इस वीडियो पर एक यूजर ने पूछा है, एंड में माधुरी क्यों गुस्सा हुईं?, एक ने लिखा है, मैं फिल्म दोबारा देखने जा रहा हूं। एक और लिखता है, यह एक सीन के लिए कितनी मेहनत करते हैं। सलमान के एक फैन ने लिखा है, भाई कितने टफ हैं। ¼fgQh½

श्रीदेवी के लिए बोनी कपूर ने अपना वजन कम किया था

fQYeमेकर बोनी कपूर इन दिनों अपने ट्रांसफॉमेशन को लेकर सुर्खियों में हैं। लाजवाब वेट लॉस और अपने हेयर ट्रांसप्लांट को लेकर वह सुर्खियों में हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह प्रेरणा अपनी दिवंगत पत्नी श्रीदेवी को बताया और कहा कि वो ही इसके पीछे उनकी प्रेरणा है एबीपी से बात करते हुए बोनी कपूर ने कहा, श्मैं अपनी पत्नी (श्रीदेवी) की बात याद कर रहा था। उन्होंने कहा था कि अगर आप अपने बालों के साथ कुछ करना चाहते हैं, तो पहले वजन कम करें। इसलिए मैंने वजन कम किया। बोनी कपूर को वजन कम करने का मोटिवेशन फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में काम करते समय आया। साल 2023 में आई इस फिल्म में उन्होंने रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर के साथ एक छोटा सा रोल किया था। उन्होंने कहा, मुझे लगता था कि उस फ्रेम में सब कुछ ठीक है सिवाय मेरे। मैं उस फ्रेम में लाला जी जैसा दिखता था। मैं लाला जी वाले लुक से छुटकारा पाना चाहता था। बोनी कपूर और श्रीदेवी की प्रेम कहानी सदियों पुरानी है। दोनों की मुलाकात एक फिल्म के सेट पर हुई थी और बोनी कपूर को पहली नजर में ही प्यार हो गया था। उन्होंने बताया जब मैंने श्रीदेवी को अपने दिल के जज्बात बयां किए तो उसने मेरे से 6 महीने तक बात नहीं की और कहा कि आप मेरे से ऐसे कैसे बात कर सकते हैं। हालांकि दोनों ने साल 1996 में शादी कर ली थी और 2018 में श्रीदेवी के असामयिक निधन के बाद ये साथ हमेशा के लिए टूट गया। लेकिन आज भी बोनी उनकी यादों से प्रेरित होते रहते हैं। उनकी बातों में श्रीदेवी का जिक्र होता है, जो उनके सच्चे प्यार की निशानी है। इसके साथ ही उन्होंने अपने वजन घटाने के अलावा, कपूर हेयर ट्रांसप्लांट कराने के बारे में भी बात की। हालांकि उन्होंने प्रक्रिया के विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन यह स्पष्ट है कि वह पहले से कहीं ज्यादा कॉन्फिडेंट महसूस कर रहे हैं। ¼fgQh½

जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा, अगले साल 7 फरवरी को रिलीज होगी लवयापा

फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट ने आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की डेब्यू फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है. इस फिल्म को अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है और इसका नाम है लवयापा. आने वाली ये रोमांटिक–कॉमेडी बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है. फिल्म की यंग और फ्रेश एनर्जी दर्शकों को खूब पसंद आएगी. फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं इन दो उभरते सितारों की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने के लिए, जो मॉडर्न रोमांटिक–कॉमेडी को एक नया अंदाज देने वाले हैं.लवयापा प्यार और उसकी उलझनों की कहानी है, जिसमें मस्ती और हंसी का तड़का है. यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास तोहफा बनने वाली है. इस बड़े प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं दो दमदार प्रोडक्शन हाउस– फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट. फैंटम स्टूडियोज का नाम हमेशा बेहतरीन हिट फिल्मों को बनाने के लिए जाना जाता है, जबकि एजीएस एंटरटेनमेंट ने कई हिट फिल्में दी हैं. इन दोनों के साथ आने से लवयापा में खास जोश और एनर्जी देखने को मिलने वाली है.लवयापा एक मॉडर्न रोमांस है, जो दिल को छू लेने वाली कहानी, बेहतरीन परफॉर्मेंस, मजेदार म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स से भरपूर है. यह फिल्म प्यार के हर पहलू को सेलिब्रेट करती है और हर उम्र के दर्शकों से जुड़ने के लिए तैयार है.लवयापा 2025 की सबसे एक्साइटिंग फिल्मों में से एक बनने जा रही है तो, 7 फरवरी 2025 को इस खूबसूरत लव स्टोरी के साथ एक जादुई सफर पर जाने के लिए अपना कैलेंडर सेट कर लीजिए. बता दें, जुनैद खान फिल्म महाराजा के बाद फिल्म लवयापा से थिएटर पर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार की भूत बंगला से जुड़ीं तब्बू, यह सितारे भी स्टार कास्ट में हुए शामिल

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके निर्देशन की कमान प्रियदर्शन ने संभाली है। एकता कपूर इस फिल्म का निर्माण कर रही हैं।अब खबर आ रही है कि दिग्गज अभिनेत्री तब्बू फिल्म भूत बंगला की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं।अक्षय और प्रियदर्शन के साथ यह तब्बू का दूसरा सहयोग है। इससे पहले तीनों हेरा फेरी (2000) में साथ काम कर चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, तब्बू को भूत बंगला में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया और उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है।तब्बू ने फिल्म के लिए हामी भर दी है। वह जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर देगी।इसके अलावा वामिका गब्बी भी फिल्म की कास्ट में शामिल हो गई हैं। भूत बंगला में वह अक्षय की प्रेमिका का किरदार निभाएंगी।

अक्षय, तब्बू और वामिका के अलावा भूत बंगला में परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की तिकड़ी भी दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएगी।फिल्म की कहानी काले जादू पर आधारित बताई जा रही हैं। अक्षय और प्रियदर्शन 14 साल बाद फिर से साथ आए हैं।भूत बंगला को 2 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।अक्षय के पास हाउसफुल 5, स्काई फोर्स, वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3 और कन्नप्पा जैसी फिल्में भी हैं।

मोनालिसा ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की हाटनेस देख फैंस ने की तारीफ

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद बोल्ड लुक्स में तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट का पारा गर्म कर देती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन फोटोज में उनक हॉट एंड स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

मोनालिसा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की स्पैगडी और रफ लुक में डेनिम जींस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है– सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है– यू लुक सो गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है– गॉर्जियस। ऐसे ही एक के बाद एक कर के यूजर्स कॉमेंट्स कर रहे हैं।

सिनेमाघरों में दोबारा धमाल मचाएगी ये जवानी है दीवानी, निर्माताओं ने पोस्ट साझा कर उठाया तारीख से पर्दा

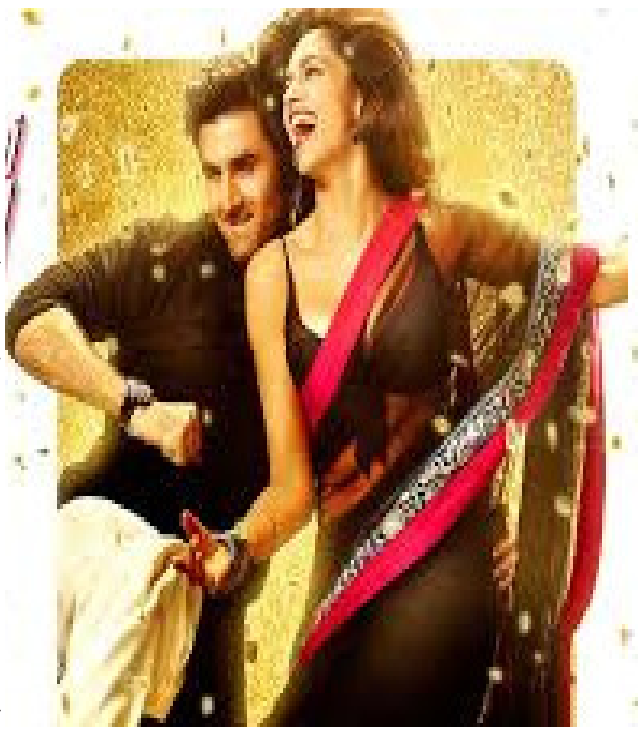

इस महीने की शुरुआत में करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने ये जवानी है दीवानी के बारे में एक सरप्रेस के साथ शेयर की थी, जिससे प्रशंसक इसके संभावित सीक्वल के बारे में अटकलें लगा रहे थे। हालांकि, री–रिलीज के चलन को देखते हुए रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की यह फिल्म 2025 में फिर से सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

निर्माताओं ने आज फिल्म का पोस्टर साझा कर इसकी री–रिलीज का एलान किया। साथ ही तारीख से भी पर्दा उठाया। पीवीआर आईनॉक्स बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक ये जवानी है दीवानी को 3 जनवरी, 2025 को 46 शहरों के 140 पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में वापस ला रहा है। यह धर्मा प्रोडक्शंस की कल हो ना हो की सफल री–रिलीज के बाद हो रहा है। इसके अलावा, 2024 में, तुम्बाड, वीर जारा और रहना है तेरे दिल में जैसी कई फिल्में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुईं और फिल्म देखने वाले इन फिल्मों का जादू एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए सिनेमाघरों में उमड़ पड़े।

निर्माता करण जौहर ने ये जवानी है दीवानी की री–रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ये जवानी है दीवानी धर्मा प्रोडक्शंस के दिल में एक खास जगह रखती है। फिल्म में बेहतरीन संगीत, शानदार लोकेशन, हमारे कुछ सबसे पसंदीदा कलाकार और एक ऐसी कहानी है, जो सभी पीढ़ियों को प्रभावित करती है। यह नया साल शुरू करने के लिए एकदम सही फिल्म है। यह फिल्म आपको जीवन के बारे में एक गर्मजोशी भरा, सुखद एहसास देती है। हम यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि जेन जेड इसे बड़े पर्दे पर वयस्कों के रूप में देखने के बारे में कैसा महसूस करता है, जबकि मिलेनियल्स इसमें शामिल होते हैं, साथ गाते हैं और अभिनेताओं से पहले सभी संवाद दोहराते हैं।

फिल्म के दोबारा रिलीज होने पर निर्देशक अयान मुखर्जी ने कहा, यह फिल्म मेरे दूसरे बच्चे की तरह है, मेरे दिल और आत्मा का हिस्सा है। एक दशक से भी ज्यादा समय बाद, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसे बनाना मेरे जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक था। हमने जो हासिल किया, वह मेरे लिए गर्व की बात है।ये जवानी है दीवानी एक रोमांटिक कॉमेडी–ड्रामा है, जिसमें रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, कल्कि केकलां और आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। अपनी कहानी और कलाकारों के अभिनय के अलावा, यह फिल्म अपने चार्टबस्टर गानों जैसे बदतमीज दिल, बलम पिचकारी और दिल्ली वाली गर्लफ्रेंड के लिए लोकप्रिय है। पिछले कुछ सालों में, इस फिल्म ने एक कल्ट स्टेटस हासिल कर लिया है और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह दोबारा रिलीज होने पर सफल साबित होती है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 31 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

कुम्भ रेल सेवा एप सुरक्षा के साथ गाइड भी बनेगा

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्कुम्भ रेल सेवा एप शुरू किया है। इस एप पर श्रद्धालुओं को रेलवे से जुड़ी सभी जानकारी मिलेगी। मुसीबत में आरपीएफ का नंबर तो दर्शन के लिए तीर्थ स्थलों के बारे में एप से जान सकेंगे।सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि कुम्भ रेल सेवा एप से श्रद्धालुओं को ट्रेनों की समयसारणी, टिकट बुकिंग, स्टेशन से मेला क्षेत्र तक पहुंचने के मार्ग और रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा एप में महाकुम्भ के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की जानकारी दी जाएगी। इस एप में आपातकालीन स्थिति में जरूरी मोबाइल नंबरों की जानकारी मिलेगी।

इस एप में रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी, जैसे वेटिंग रूम, रेस्ट रूम, फूड स्टाल, पीने के पानी की व्यवस्था और सफाई जैसी सुविधाएं। इस एप में महाकुम्भ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी और तस्वीरें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें अतीत के महाकुम्भ के फोटो गैलरी, इतिहास, आयोजनों और धार्मिक महत्व की जानकारी भी मिलेगी। कुम्भ रेल सेवा एप महाकुम्भ के आयोजन को एक नया डिजिटल दृष्टिकोण प्रदान करेगा, जिससे यात्रियों को आवश्यक जानकारी और सुविधाएं आसानी से मिलेंगी।

निर्मल गंगा के संकल्प को साकार कर रहा नमामि गंगे मिशन

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 को न केवल आध्यात्मिकता का महापर्व, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का आदर्श प्रतीक बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन ने अनूठी और व्यापक योजनाओं को लागू किया है।गंगा की पवित्रता और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए, प्रयागराज में वर्तमान में 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित हो रहे हैं जिनकी कुल क्षमता 340 एमएलडी है। महाकुम्भ 2025 की विशेष तैयारियों को सशक्त बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन की ओर से तीन नई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनके अंतर्गत सलोरी में 43 एमएलडी, रसूलाबाद में 90 एमएलडी और नैनी में 50 एमएलडी क्षमता के अतिरिक्त एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है।इन परियोजनाओं का उद्देश्य महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त गंगा जल उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि गंगा की अविरलता और निर्मलता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना भी है। गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयागराज में अद्वितीय प्रयास किए जा रहे हैं।

कभी 81 नालों से प्रदूषित होने वाली इन नदियों की कहानी अब बदल रही है। नमामि गंगे मिशन और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से, इन नालों को स्वच्छता की धारा में परिवर्तित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्तमान में 81 में से 37 नालों को पूरी तरह टैप कर उनका उपचार किया जा चुका है, जिससे इन नदियों में प्रदूषण का प्रवाह रुक गया है।इसके अलावा, 5 नालों को सूखा या अप्रभावी पाया गया है, जिन्हें किसी प्रकार के उपचार की आवश्यकता नहीं है। यही नहीं, महाकुम्भ 2025 की तैयारियों के तहत, राज्य सरकार ने अपने बजट में 17 नालों को टैप करने का दायित्व लिया है और इसके लिए आवश्यक संसाधन व प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई जा रही है।शेष 22 नालों को टैप करने का कार्य नमामि गंगे मिशन (एनएमसीजी) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। महाकुम्भ 2025 को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन द्वारा शुरू की गईं दूरदर्शी योजनाओं का उद्देश्य गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को बनाए रखना है, ताकि नदियों की पवित्रता के साथ–साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी संरक्षित किया जा सके।

गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, योजनाबद्ध अवसंरचना और समाज की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है कि गंगा और यमुना की पवित्रता आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहे। मिशन की यह पहलें केवल महाकुम्भ को सफल बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य प्रयागराज की सीवरेज अवसंरचना को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करना भी है।

महाकुंभ से पहले 2100 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की हुई ट्रेनिंग

प्रयागराज। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रयागराज प्रशासन ने नगर की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है। अगले महीने होने वाले महाकुंभ से ठीक पहले नगर के 2100 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया।जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन में मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए आयोजित एक दिवसीय फॉस्टैक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य प्रबंधन, खाना पकाने के तरीके और अपशिष्ट प्रबंधन समेत कई आवश्यक विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के बारे में भी जानकारी दी गयी। इसके तहत विशेष रूप से खाद्य व्यवसायों के लाइसेंस और पंजीकरण के संबंध में अनुसूची 4 में निर्धारित दिशा निर्देशों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की जानकारी और तौर–तरीकों को बेहतर बनाना तथा बेहतर खाद्य सुरक्षा मानकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण के दौरान स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को हाईजीन किट्स भी बांटा गया, जिनमें एप्रॉन, ग्लब्स, हेड–गियर तथा स्ट्रीट फूड वेंडर्स मैनुअल शामिल है।प्रशिक्षण कार्यक्रम में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी व विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह के साथ–साथ एफएसएसएआई के संयुक्त निदेशक अंकेश्वर मिश्रा समेत प्राधिकारण के दूसरे अधिकारी तथा राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग से सुशील कुमार सिंह–अभिहित अधिकारी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में एफएसएसएआई के ट्रेनिंग पार्टनर जनपहल ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को इकट्ठा करने तथा कार्यक्रम के समन्वय में अहम भूमिका निभाई।

जनकवि कैलाश गौतम सम्मान से सम्मानित हुए दिनेश रघुवंशी

प्रयागराज। कैलाश गौतम सृजन संस्थान की ओर से शुक्रवार को हिन्दुस्तानी एकेडमी में जनकवि कैलाश गौतम राष्ट्रीय काव्य कुम्भ समारोह–2024 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति समित गोपाल, समारोह के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी, विशिष्ट अतिथि मेयर गणेश केसरवानी, कमांडेंट मनोज गौतम व अपर पुलिस आयुक्त संदीप वर्मा ने जनकवि कैलाश गौतम सम्मान से फरीदाबाद के दिनेश रघुवंशी को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न, शॉल व माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देकर दो मिनट का मौन रखा गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि जनकवि की रचनाओं ने सदैव ही समाज को नई दिशा दी और हर एक को अटूट संघर्ष की प्रेरणा देने का कार्य किया। मेयर ने कहा कि उन्होंने अपनी कविताओं से प्रयागराज को कविता के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया।

अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि मानवीय संवेदनाएं और उनकी भावनाओं का सर्वोत्तम चित्रण जनकवि की रचनाओं में है। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. श्लेष गौतम ने संचालन और अनुराग अरोरा व मनीष घोष ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्टूडेंट्स पुलिस एक्सपीरिएंशल लर्निंग प्रोग्राम का सफल आयोजन

श्रावस्ती (एजेंसी)। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया' के निर्देशन में स्टूडेंट्स पुलिस एक्सपीरिएंशल लर्निंग प्रोग्राम के तहत जिले के सभी थानों पर स्कूली छात्र–छात्राओं को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पुलिस के कार्यों और दायित्वों की जानकारी देना तथा पुलिस और समाज के बीच समन्वय स्थापित करना है।इस दौरान बच्चों को थाना परिसर के विभिन्न हिस्सों जैसे 'थाना प्रभारी कार्यालय, थाना कार्यालय, साइबर हेल्प डेस्क, महिला हेल्प डेस्क, बंदी गृह, मालखाना, आरक्षी भोजनालय, शस्त्रागार, वायरलेस सिस्टम, और आपराधिक रजिस्टरों की जानकारी दी गई।

सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन एफआईआर और आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से कार्य करने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया गया। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए संबंधित 'कानूनों और हेल्पलाइन नंबरों (1090, 1076, 112, 1930)' की जानकारी दी गई, जिससे संकट के समय तत्काल सहायता प्राप्त की जा सके।

बच्चों में कानून की समझ, अनुशासन, स्वानुशासन और साहस विकसित करने पर जोर दिया गया, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकें। जिले के विभिन्न थानों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया थाना सिरसिया के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नूतन बस्ती बालापुर सिरसिया सहित समस्त थानो द्वारा बच्चो को बुलाकर थाना पुलिस की कार्यशैली से अवगत कराया।

मील्स आन व्हील्स वारियर्स सेमीफाइनल में

प्रयागराज। मील्स ऑन व्हील्स वॉरियर्स ने जेबीएन को 10 रन से हराकर प्रयागराज सिंधी प्रीमियर लीग (पीएसपीएल) में लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके अलावा सिंध फाइटर्स, सिंधी लायंस और पेपरी अवेंजर्स ने भी अपने मैच जीते।

दौलत हुसैन इंटर कॉलेज मैदान पर शुक्रवार को खेले गए मैच में मील्स ऑन व्हील्स वॉरियर्स ने 10 ओवर में 6 विकेट पर 92 रन (दीपक जमनी 22, विशेष तालरेजा 3ध्14) बनाकर जेबीएन को 10 ओवर में 8 विकेट पर 82 रन (संजीव कुकरेजा 29, अमित बुधवानी 3ध्21, नीरज जुममनी 2ध्11) पर सीमित किया। रिलैक्स एंड सनशाइन लजेंड ने 10 ओवर में 98 रन (कुशल अलरानी 49 नाबाद, उमेश आहूजा 23, जतिन अलवानी 1ध्24) बनाए। जवाब में डेंटल जोन सिंध फाइटर्स ने 9.1 ओवर में 6 विकेट पर 100 रन (भानु सुहाला 42, दीपक करमचंदानी 21 नाबाद, राहुल मध्यान 4ध्29, विशाल केवलानी 2ध्25) बना लिए। प्लाजु अल्टीमेट ने 10 ओवर में पांच विकेट पर 83 रन (मनोज सुहाला 24 नाबाद, सिद्धार्थ मदनानी व निखिल कांदरू एक–एक विकेट) बनाए। जवाब में सिंधी लायंस ने 7 ओवर में दो विकेट पर 88 रन (हिमांशु अंदानी 43 नाबाद, सनी केवलानी 22 नाबाद, जैकी आहूजा व विकास उतरानी एक–एक विकेट) बना लिये। जनप्रिया किंग्स ने 10 ओवर में तीन विकेट पर 63 रन (भारत कुकरेजा 26 नाबाद, धीरज 20, प्रशांत आहूजा व तरुण चांदनी एक–एक विकेट) बनाए। जवाब में पेपरी अवेंजर्स ने 9.5 ओवर में चार विकेट पर 67 रन (तरुण चांदनी 25 नाबाद, राहुल बसंतानी 16 नाबाद, अमर केवलानी 2ध्15) बना लिए।

चेन छीनने वाले दो शातिर चेन स्नेचर गिरफ्तार

प्रयागराज। धूमनगंज थाना, एसओजी नगर और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को चेन स्नेचर के गिरोह के दो शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से नकदी, जेवरात, दो बाइक, तमंचा और तीन कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों आरोपियों पर प्रयागराज व वाराणसी में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में बताया कि धूमनगंज थाने में एक महीने के अंदर तीन चेन स्नैचिंग के मामले दर्ज हुए थे। पुलिस बदमाशों की गिरफ्तारी में जुटी थी। इसी बीच शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर कौडरा गांव के समीप दबिश देकर आरोपी संतोष रावत निवासी गयासुद्दीनपुर थाना धूमनगंज व हाल पता गद्दोपुर थाना फाफामऊ और दीपक भारतीया निवासी हरवारा थाना धूमनगंज व हाल पता मम्फोर्डगंज कर्नलगंज को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से सोने के लॉकेट की बिक्री का 70 हजार रुपये, पांच सोने के जेवरात, एक चोरी की बाइक, एक कूटरचित नंबर वाली बाइक, एक देशी तमंचा व तीन कारतूस बरामद की गई। संतोष पर प्रयागराज व वाराणसी में कुल 26 मामले और दीपक के खिलाफ प्रयागराज में पांच मामले दर्ज हैं।

राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर जाकर करें भूमि विवादों का निस्तारण-जिलाधिकारी

श्रावस्ती (एजेंसी)। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में थाना सोनवा में आयोजित समाधान दिवसध्थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस थाना दिवस में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण की कार्यवाही करें तथा फरियादियों के साथ नम्र व्यवहार भी किया जाए। उन्होने कहा कि भूमि विवादों से सम्बन्धित प्रकरणों का राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर जाकर निस्तारण करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि बालिकाओं महिलाओं द्वारा प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता द्वारा प्राप्त शिकायत का संज्ञान लेकर तुरंत मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करें और उसकी शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को फोन आदि के माध्यम से सूचित भी किया जाए, ताकि शासन के निर्देशानुसार जीरो टालरेंस नीति के तहत लोगों को न्याय दिलाया जा सके।

शारीरिक मानक परीक्षण के दौरान फर्जी प्रवेश पत्र का खुलासा, महिला अभ्यर्थी गिरफ्तार

श्रावस्ती (एजेंसी)। श्रावस्ती पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा में फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करने की कोशिश कर रही एक महिला अभ्यर्थी को गिरफ्तार कर परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दोहराया है। प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में निरीक्षक संतोष कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा महिला अभ्यर्थी रिचा सिंह को 28 दिसंबर को रोडवेज बस स्टेशन भिनगा से गिरफ्तार किया।पुलिस लाइंस भिनगा में आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण में महिला अभ्यर्थी रिचा सिंह पुत्री राधेश्याम सिंह निवासी फरदा सुमेरपुर, थाना पयागपुर, जनपद बहराइच ने कूट रचित प्रवेश पत्र प्रस्तुत किया। जांच के दौरान पाया गया कि प्रवेश पत्र में दर्ज रोल नंबर फर्जी था, जो किसी अन्य अभ्यर्थी का था।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि महिला अभ्यर्थी परीक्षा में फेल हो गई थी। इसके बावजूद उसने स्वीट स्नैप एप के माध्यम से अपने प्रवेश पत्र को एडिट कर उत्तीर्ण अभ्यर्थी का अनुक्रमांक जोड़कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए। इस मामले में प्रभारी पुलिस परीक्षा भर्ती बोर्ड श्रावस्ती निरीक्षक श्याम बहादुर सिंह द्वारा महिला के टैबलेट और प्रपत्रों को कब्जे में लेकर थाना कोतवाली भिनगा में मुकदमा अपराध संख्या 555ध्2024, धारा 319(2)ध्318(4)ध्338ध्336(3)ध्340(1) ठछै के तहत मामला दर्ज किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

राज्य स्तरीय महिला खो खो प्रतियोगिता में श्रावस्ती की खिलाड़ियों ने जीता कांस्य पदक

श्रावस्ती (एजेंसी)। जिला क्रीड़ा अधिकारी शिवकुमार यादव ने बताया कि 25 से 27 दिसंबर तक प्रदेश स्तरीय महिला खो–खो एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम जौनपुर में आयोजित किया गया था, जिसमें देवीपाटन मंडल की टीम ने खो खो प्रतियोगिता में प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम हासिल किया। देवीपाटन मंडल की टीम में जनपद श्रावस्ती से सात खिलाड़ियों का चयन किया गया था, जिसमें संजना यादव, महिमा देवी, रिया, ममता शर्मा, सुमित्रा, लक्ष्मी देवी एवं अनु वर्मा ने देवीपाटन मंडल टीम में प्रतिनिधित्व किया। देवीपाटन मंडल टीम के कोच जगेसर सैनी सैनी रहे।देवीपाटन मंडल टीम का पहला मैच देवीपाटन 18ध्सहारनपुर 04, दूसरा मैच देवीपाटन 16 अलीगढ़ 07, तीसरा मैच प्री क्वार्टर फाइनल में देवीपाटन 14ध्प्रयागराज 06, क्वार्टर फाइनल में देवीपाटन 14ध्बस्ती 06, सेमी फाइनल में देवीपाटन 04ध्वाराणसी 12, तीसरा स्थान के लिए मैच देवीपाटन 16ध्लखनऊ 08 अंकों से विजई रही। महिला खो खो में वाराणसी मंडल स्वर्ण पदक, गोरखपुर मंडल रजत पदक, देवीपाटन कांस्य पदक, लखनऊ मंडल चतुर्थ स्थान स्थान रही। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने सभी टीम के खिलाड़ियों टीम के कोच जगेसर सैनी का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़,जवाबी फायरिंग में एक को लगी गोली, साथी मौके से फरार

नोएडा,28 दिसंबर 2024 (यूएनएस)। सूरजपुर थाना पुलिस और ऑटो सवार बदमाशों के बीच में मुठभेड़ हो गई। इस पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया तो वहीं दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया।थाना सूरजपुर पुलिस ऐस प्लेटिनम तिराहे पर चेकिंग कर रही थी, तभी चेकिंग के लिए ऑटो सवार दो संदिग्ध व्यक्तियो को रुकने का इशारा किया गया। जिस पर उन ऑटो सवार व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने ऑटो का पीछा करते हुए जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया।

जिसकी पहचान गौरव निवासी ग्राम साही, जनपद पीलीभीत वर्तमान निवासी ग्राम हैबतपुर, थाना बिसरख के रूप में हुई है। घायल बदमाश के कब्जे से एक अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस और चोरी की अलग अलग घटनाओं में प्रयुक्त ऑटो वाहन और थाना सूरजपुर और थाना बिसरख क्षेत्र में की गई चोरी की तीन घटनाओं से संबंधित 41,000 रुपये नगद तथा ताला तोड़ने का एक सरिया बरामद किया है।

घायल बदमाश का साथी सूरज मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश के लिए पुलिस कांबिंग कर रही है। सेंट्रल नोएडा के डीसीपी शक्ति अवस्थी ने बताया कि शातिर चोरों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। जिसमें एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हुआ है, वहीं एक बदमाश फरार हो गया है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। यह बड़े ही शातिर किस्म के चोर हैं, जो ऑटो में सवार होकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करते थे।

इंटरनेशनल मैराथन खिलाड़ी के साथ मारपीट,जान से मारने की दी धमकी, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नोएडा,28 दिसंबर 2024 (यूएनएस)। फेज वन थाना क्षेत्र में गाड़ी खड़े करने के विवाद में कुछ लोगों ने एक अंतरराष्ट्रीय मैराथन खिलाड़ी के साथ मारपीट कर दी। खिलाड़ी की शिकायत पर फेज वन पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मारपीट के बाद आरोपियों ने खिलाड़ी को जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। स्थानीय लोग पूरा मामला रोड रेज का बता रहे हैं। पुलिस को दी शिकायत में कन्नौज निवासी विपिन कुमार ने बताया कि वह अंतरराष्ट्रीय मैरा थन खिलाड़ी हैं। बुधवार को विपिन कुमार सेक्टर दस के डी ब्लॉक में अपनी गाड़ी साइड में लगा रहे थे। इस दौरान उसकी गाड़ी के पीछे खड़ी कार में बैठे युवक लगातार हौर्न बजा रहे थे। विरोध करने पर कार सवार तीन लोग नीचे उतरे और शिकायतकर्ता के साथ गाली गलौज करने लगे। यही नहीं कार सवार तीनों दबंगों ने पीड़ित के साथ मारपीट भी की।कार से नीचे उतारकर आरोपी जब शिकायतकर्ता को पीट रहे थे तभी उधर से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी। राहगीर जब घटनास्थल पर एकत्र होने लगे तो आरोपी खिलाड़ी को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। शिकायतकर्ता के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगी है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित खिलाड़ी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए कार के नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ता नोएडा में नौकरी करता है।

जाली नोट के साथ दुकानदार ने एक व्यक्ति को पकड़ा

जमुनहा/श्रावस्ती (एजेंसी)। थाना हरदत्त नगर गिरंट के जमुनहा बहराइच मार्ग पर गौसपुर साप्ताहिक बाजार में जाली नोट के साथ एक व्यक्ति को दुकानदारों ने पकड़ लिया। मामला उस वक्त खुला जब जाली नोट वाले व्यक्ति ने सब्जी खरीदा और पांच सौ की नोट दुकानदार को दिया तो दुकानदार ने कहा यह नकली नोट है फिर उसने दूसरी नोट भी पांच सौ की दी वह भी नकली निकली जब उससे छोटी नोट दुकानदार ने मांगी तो उसने सौ का नोट दिया परंतु वह भी नकली निकली फिर क्या था लोगों ने उसे पकड़ लिया और सभी नोटों को देखा तो पता चला कि जितनी भी इसके पास नोट है वह सब नकली फिर क्या था बाजार के दुकानदार ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

वालीबाल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जमुनहाध्श्रावस्ती (एजेंसी)। जमुनहा तहसील के पिपरहवा कोठी में स्वर्गीय मनोज सिंह के पुण्य तिथि पर आयोजित राज्य स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष व पूर्व सांसद दद्दन मिश्रा के द्वारा फीता काट कर शुभारंभ किया गया जिसमें सात प्रतियोगी टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें गोंडा, एस एस सो भिनगा, टिकरा बाराबंकी, राजपूत क्लब पिपरहवा, आर बी मेंथर्ड महरू मुर्तियां, बाबू बासुदेव रूपईडीहा और नवाबगंज बहराइच की टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें सेमीफाइनल में टिकरा बाराबंकी और आर बी में थर्ड महरू मुर्तियां के बीच गेम हुआ, जिसमें आर बी में थर्ड दो एक से जीत हासिल कर फाइनल में पहुची । दूसरा सेमीफाइनल बाबू बासुदेव आआ रूपईडीहा तथा एस एस ओ भिनगा के बीच हुआ जिसमें दो एक से बाबू बासुदेव रूपईडीहा फाइनल में स्थान प्राप्त किया।

सगे चाचा पर नाबालिग भतीजी के साथ किया दुष्कर्म

जमुनहाध्श्रावस्ती (एजेंसी)। जनपद के थाना हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र में अचरौरा शाहपुर में एक सगे चाचा ने अपने पांच वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बताया जाता है कि लड़की घर से अकेली खेलते खेलते प्राथमिक विद्यालय की तरफ गई थी उसी वक्त उसका 21 वर्षीय चाचा मिल गया और उसे बहला – फुसलाकर विद्यालय के पीछे बाग में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करके उसे छोड़कर भाग गया। बच्ची रोती – बिलखती विद्यालय पहुंची और गेट के अंदर खड़े शिक्षक अजय कुमार से रोते बिलखते हुए कहने लगी कि हमें घर ले चलो शिक्षक उसे घर पर छोड़कर जैसे ही आए कि बच्ची ने अपने मां को दर्द होने की बात बताई साथ में मां और बेटी विद्यालय पहुंचे और मां रोती होते हुए बदला पुलिस चौकी जाने की बात कहते हुए चली गई। वहां से वह थाने गई और अपने लड़की के साथ हुए घटना की लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की अपील करने लगी। थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय ने अचरौरा शाहपुर विद्यालय और घटना स्थल का जायजा लिया उधर बच्ची को डाक्टरी परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भिनगा भेज दिया गया। जहां से डाक्टरों ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ के लिए रिफर कर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती प्रक्रिया का किया निरीक्षण

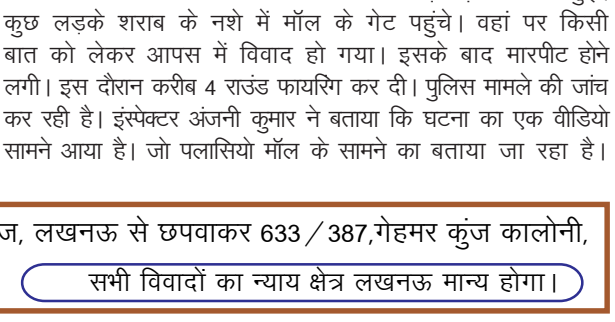

श्रावस्ती (एजेंसी)। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने रिजर्व पुलिस लाइन भिनगा में पहुँचकर आज लगातार तीसरे दिन चल आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती की प्रक्रिया निरीक्षण कर जायजा लिया तथा परीक्षा में अभ्यर्थियों का शारीरिक मानक परीक्षण व अभिलेखों के सत्यापन प्रक्रिया को निष्पक्ष व सकुशल सम्पन्न कराने हेतु निरीक्षण किया गया।इस दौरान जिलाधिकारी ने शारीरिक मानक परीक्षण व अभिलेखों के सत्यापन की ड्यूटी में लगे अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। संपूर्ण व्यवस्था का निरीक्षण कर प्रतिसार निरीक्षक को सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराये जाने हेतु निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आज प्रक्रिया के तीसरे दिन 75 अभ्यर्थियों का परीक्षण किया जाना है। सम्पूर्ण प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरो की निगरानी में की जा रही है तथा उसकी वीडियो रिकार्डिंग भी करायी जा रही है, जिससे इस प्रक्रिया को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न किया जा सके।

आपसी विवाद फायरिंग,पलासियो मॉल के पास देर रात की घटना, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके शानिवार देर रात पलासियो मॉल के पास ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। कुछ लड़के शराब के नशे में मॉल के गेट पहुंचे। वहां पर किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गया। इसके बाद मारपीट होने लगी। इस दौरान करीब 4 राउंड फायरिग कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार ने बताया कि घटना का एक वीडियो सामने आया है। जो पलासियो मॉल के सामने का बताया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।